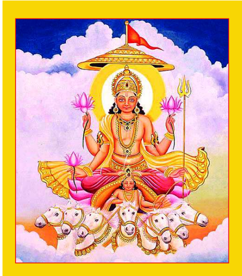

भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार से सरकारी विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

सकारात्मक साप्ताहिक हिन्दी अखबार

जागरूक जनता

2 जुलाई - 8 जुलाई 2025

jagrukjanta.net

आषाढ़, पक्ष - शुक्ल, तिथि - सप्तमी, संवत 2082 पृष्ठ : 8 जयपुर, बुधवार वर्ष-11, अंक-18, मूल्य ₹ 5/- वार्षिक मूल्य : ₹ 250/-

करियर को ज्यादा प्राथमिकता देने लगी हैं आजकल शिक्षित लड़कियां!

सटीक

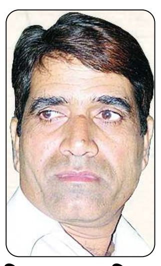

शिव दयाल मिश्रा
@jagrukjanta.net

आजकल समाज में लड़के-लड़कियों का विवाह करना मां-बाप के लिए आसान नहीं रह गया है। पहले की व्यवस्थाओं में मां-बाप या घर के बड़ों का निर्णय अंतिम निर्णय हुआ करता था। लेकिन आजकल ऐसा बहुत कम रह गया है। अब तो विवाह की बातचीत शुरू होते ही पहले लड़के-लड़कियों को मिलाना जरूरी हो गया है अगर उनकी हां हुई तो ही बात आगे बढ़ती है वरना बात खत्म। वर्तमान में देखने में आया है कि लड़कियां अच्छी लाइफ जीने के लिए विवाह से ज्यादा करियर पर ध्यान देने लगी हैं। वे आर्थिक रूप से किसी के अधीन रहना ही नहीं चाहती। यह एक बहुत बड़ी सोचनीय स्थिति है। सही समय पर विवाह होने का क्या महत्व है यह जानना बहुत जरूरी है। आजकल करियर और आर्थिक स्थितियों के कारण जिंदगी भागमभाग की हो गई है। इसी भागमभाग में लड़कियां सही समय पर विवाह न करके बहुत कुछ खो रही हैं। मैं यह नहीं कहता हूं कि करियर महत्वपूर्ण नहीं है। मगर, उससे भी महत्वपूर्ण है सही समय पर विवाह होना। क्योंकि एक समय जब शादी की उम्र निकल जाती है तब सही जीवनसाथी चुनना या मिलना मुश्किल हो जाता है। विवाह केवल दो लोगों का साथ ही नहीं होता, यह एक मानसिक, शारीरिक और सामाजिक स्थिरता की गारंटी होता है। सही समय पर विवाह नहीं होने पर कई महिलाओं को मानसिक तनाव, अकेलापन और सामाजिक दबाव का सामना करना पड़ता है जिसके कारण उनमें चिड़चिड़ापन आ जाता है। कई बार ऐसा भी होता है कि उम्र बढ़ने के बाद अच्छे रिश्ते भी नहीं मिलते, क्योंकि हर चीज का एक समय होता है। ध्यान इस बात का रखा जाना चाहिए कि करियर और विवाह में संतुलन बना रहे। कई लड़कियों की सोच होती है कि करियर बनाने के बाद विवाह करेंगी, लेकिन करियर की स्थिरता प्राप्त होती है तब तक विवाह की उम्र निकल चुकी होती है। ऐसा नहीं है कि विवाह के बाद करियर नहीं बनता, बनता है। समझदार जीवनसाथी करियर बनाने में भी सहयोग करता है। इसलिए लड़कियों को चाहिए कि वे करियर को उच्च प्राथमिकता न देकर विवाह को उच्च प्राथमिकता दें। जीवन में सही संतुलन बनाए रखते हुए सही उम्र में विवाह का निर्णय मां-बाप को करने दें ताकि करियर भी प्रभावित नहीं हो और ना ही व्यक्तिगत जीवन। विवाह केवल एक सामाजिक बंधन नहीं है, यह हमारे शास्त्रों में वर्णित तीन ऋणों (देव ऋण, ऋषि ऋण और पितृ ऋण) से भी मुक्त कराता है। आर्थिक स्वतंत्रता जीवन का लक्ष्य नहीं होना चाहिए। इसलिए सही समय पर विवाह का निर्णय लेकर खुशहाल जीवन जीना ही बुद्धिमानी है।

shivdayalmishra@gmail.com

मुख्यमंत्री शर्मा से आरसीए एडहॉक कमिटी के सदस्यों ने की शिष्टाचार भेंट

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास पर राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन (आरसीए) की एडहॉक कमिटी के नवनियुक्त सदस्यों ने शिष्टाचार भेंट की। उन्होंने मुख्यमंत्री शर्मा को पुष्पगुच्छ भेंट कर राज्य में क्रिकेट गतिविधियों को बढ़ावा देने और युवा खिलाड़ियों को निरंतर प्रोत्साहित करने की प्रतिबद्धता जताई। इस अवसर पर एडहॉक कमिटी के संयोजक दीनदयाल कुमावत, सदस्यगण धनंजय खींवसर, आशीष तिवाड़ी, मोहित यादव एवं पिंकेश पोरवाल उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की संवेदनशील पहल से 20 लाख बुजुर्गों को मिला रामाश्रय वार्डों से स्वास

जयपुर @ जागरूक जनता। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर सभी जिला अस्पतालों में शुरू किए गए रामाश्रय वार्ड (जीरियाट्रिक वार्ड एवं जीरियाट्रिक क्लिनिक) वृद्धजनों के लिए स्वास्थ्य का अनुपम उपहार साबित हो रहे हैं। ये वार्ड जनसेवा का एक सार्थक माध्यम बनकर उभरे हैं। अब तक इस मानवीय पहल से करीब 20 लाख बुजुर्ग लाभान्वित हो चुके हैं। मुख्यमंत्री के इस संवेदनशील नवाचार से हमारे बुजुर्गों को न केवल स्वास्थ्य लाभ मिला है बल्कि उनके जीवन में आशा और विश्वास का नया संचार हुआ है। उन्हें उपचार को लेकर चक्कर काटने से मुक्ति तो मिली ही है, वे अस्पतालों में विभिन्न प्रक्रियाओं से होने वाली कठिनाई से भी चिंतामुक्त हुए हैं। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री के निर्देशों के बाद चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के मार्गदर्शन में 14 मार्च, 2024 से प्रदेश के जिला अस्पतालों में बुजुर्गों के स्वास्थ्य की देखभाल और अस्पतालों में सम्मानपूर्वक उपचार के लिए रामाश्रय वार्डों का शुभारम्भ किया गया था।

भारत और पाक कैदियों की सूची का आदान-प्रदान, घर वापसी जल्द

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय ने बताया कि भारत और पाकिस्तान ने राजनयिक चैनलों के माध्यम से एक-दूसरे की हिरासत में बंद नागरिक कैदियों और मछुआरों की सूचियों का आदान-प्रदान किया है। साल 2008 में कांसुलर एक्सेस पर द्विपक्षीय समझौते के प्रावधानों के तहत, ऐसी सूचियों का आदान-प्रदान प्रत्येक साल 1 जनवरी और 1 जुलाई को किया जाता है। भारत ने अपनी हिरासत में बंद 382 कैदियों और 81 मछुआरों के नाम शेयर किए हैं। ये वो नाम हैं, जो पाकिस्तानी माने जाते हैं। ठीक इसी प्रकार से पाकिस्तान ने अपनी हिरासत में बंद 53 कैदियों और 193 मछुआरों के नाम साझा किए हैं, जो भारतीय माने जाते हैं। भारत सरकार ने पाक हिरासत से नागरिक कैदियों, मछुआरों, उनकी नावों तथा लापता भारतीय रक्षा कर्मियों की शीघ्र रिहाई और घर वापसी का ऐलान किया है। ऐसे भारतीय मछुआरे, कैदी, जिन्होंने अपनी सजा पूरी कर ली है, उन्हें पाकिस्तान से रिहाई और स्वदेश वापसी में तेजी लाने के लिए कहा गया है। इसके अलावा, पाकिस्तान की ओर से हिरासत में बंद 26 कैदियों व मछुआरों को तत्काल कांसुलर एक्सेस प्रदान करने की बात कही है। इनके बारे में माना जाता है कि वे भारतीय हैं और इन्हें अब तक कांसुलर एक्सेस प्रदान नहीं किया गया है। वहीं, भारत ने पाकिस्तान से अनुरोध किया है कि वह सभी भारतीय माने जाने वाले भारतीय नागरिक कैदियों और मछुआरों की सुरक्षा, संरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करे, जब तक कि उनकी रिहाई और भारत को प्रत्यावर्तन नहीं हो जाता।

HBOT जीवन रक्षक प्रणाली द्वारा इलाज
ऑक्सीजन (प्राणवायु) ट्रीटमेंट

- मस्तिष्क चोट, पक्षाघात/लकवा
- सेरेब्रल पाल्सी, ऑटिज्म
- असाध्य घाव/शुगर के घाव
- कैंसर (रेडियो थेरेपी) के साईड इफेक्ट
- अचानक बहरापन (Hearing Loss)
- डाईबेटिक फुट में अम्पुटेशन (पैर कटने) से बचाव

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करेंः-
98290-17133, 70737-77133
9983317133
डॉ. हिमांशु अग्रवाल M.B.B.S. M.D.

नेशनल हायपरबैरिक रिसर्च सेन्टर
594-B-C, जेम्स कॉलोनी, सैक्टर-3, मंदिर मोड, विद्याधर नगर, जयपुर

Dept. of Hyperbaric Medicine
Fortis Escorts Hospital
JLN Marg, Malviya Nagar, Jaipur

E-mail : hbotjaipur@gmail.com
www.nationalhbot.in

राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, उत्तर प्रदेश में प्रसारित | जागरूक जनता www.jagrukjanta.net | बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 फोन : 0141-3587886 | सम्पर्क करें | विज्ञापन प्रकाशित करवाने के लिए 9928022718 jagrukjantanews@gmail.com | समाचार प्रकाशित करवाने के लिए 9829329070 jagrukjantanews@gmail.com

जागरूक जनता
ऑन लाइन पढ़ने के लिए स्कैन करें
ई-पेपर व अन्य खबरें देखें
jagrukjanta.net

जागरूक खबरें

प्राध्यापक एवं कोच(माध्यमिक शिक्षा विभाग) प्रतियोगी परीक्षा-2024, –ग्रुप ए के सामान्य ज्ञान सहित विभिन्न विषयों की मॉडल उत्तरकुंजी जारी

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा प्राध्यापक एवं कोच (माध्यमिक शिक्षा विभाग) प्रतियोगी परीक्षा-2024 के अंतर्गत ग्रुप ए के विषय जनरल अवेयरनेस एंड जनरल स्टडीज, हिंदी, ज्योग्राफी, इंग्लिश एवं गणित विषय की मॉडल उत्तरकुंजियां आयोग की वेबसाइट पर जारी कर दी हैं। विस्तृत सूचना आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। आयोग के मुख्य परीक्षा नियंत्रक श्री आशुतोष गुप्ता ने बताया कि उक्त विषयों की परीक्षाओं का आयोजन 23 से 25 जून 2025 तक किया गया था। यदि किसी भी अभ्यर्थी को इन मॉडल उत्तरकुंजियों पर कोई आपत्ति हो तो निर्धारित शुल्क के साथ 1 से 3 जुलाई 2025 को रात्रि 12 बजे तक अपनी आपत्ति ऑनलाईन दर्ज करवा सकता है। आपत्तियां आयोग की वेबसाईट पर उपलब्ध मॉडल प्रश्न पत्र के क्रमानुसार ही प्रविष्ट करें। उक्त परीक्षा के मॉडल प्रश्न पत्र आयोग की वेबसाईट पर है। आपत्ति प्रामाणिक (स्टैंडर्ड, ऑथेंटिक) पुस्तकों के प्रमाण सहित ऑनलाईन ही प्रविष्ट करें। वांछित प्रमाण संलग्न नहीं होने की स्थिति में आपत्तियों पर विचार नहीं किया जाएगा।

कलक्टर सभागार में आयोजित बैठक में की शिविरों में हुए कार्यों की प्रगति की समीक्षा

जन परिवेदना निस्तारण का अंतिम पड़ाव बने पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल शिविर

जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने अधिकारियों को दिये निर्देश

नरसिंहपुर में लिया शिविर का जायजा, आमजन से संवाद कर लिया फीडबैक

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की संवेदनशील पहल के तहत राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए जयपुर जिले में पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़ा आयोजित किया जा रहा है।

जयपुर जिले में शिविरों के सफल आयोजन के लिए जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी स्वयं पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल शिविरों की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। मंगलवार को जिला कलक्टर ने सांगानेर के नरसिंहपुर में आयोजित शिविर में व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जिला कलक्टर ने शिविर में उपस्थित आमजन से संवाद किया एवं राज्य सरकार की लोक कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर फीडबैक भी लिया। इस दौरान जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने अधिकारियों को आमजन की परिवेदनाओं के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने की सख्त हिदायत दी।

वहीं, जिला कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने शिविरों में हुए कार्यों की प्रगति की उपखंडवार एवं विभागवार समीक्षा की साथ ही आगामी शिविरों की कार्ययोजना के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किये। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने विभागीय अधिकारियों को पखवाड़े के तहत आयोजित किये जा रहे शिविरों के सफल संचालन करते हुए ज्यादा से ज्यादा आमजन को राहत पहुंचाने के लिए निर्देशित किया।

गौरतलब है कि जयपुर जिला प्रशासन द्वारा पखवाड़े के तहत जिले के 16 उपखण्डों की 19 पंचायत समितियों की 461 ग्राम पंचायतों में संचालित किया जा रहा है। प्रतिदिन औसतन लगभग 35 ग्राम पंचायत में प्रातः 9:30 बजे से सायं 05:30 बजे तक आयोजित हो रहे शिविरों में 16 विभागों द्वारा 63 कार्य किए जा रहे हैं। शिविरों का आयोजन दिनांक 07 जुलाई तक ग्राम पंचायत मुख्यालय पर एवं दिनांक 8 जुलाई एवं 9 जुलाई को फॉलोअप कैम्प तहसील मुख्यालय पर किया जायेगा। जिला कलक्टर के निर्देशों की अनुपालना में पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़ा के सफल संचालन हेतु प्रशासनिक नोडल अधिकारी, तकनीकी नोडल अधिकारी और उपखंडवार नोडल प्रभारी अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। जिला प्रशासन द्वारा पीएम सूर्य घर बिजली योजना, श्मशान भूमि आवंटन, जनसुनवाई शिकायतों का निस्तारण भी किया जा रहा है। जिला परिषद द्वारा शिविर में मातृभूमि से कर्म भूमि, हरियालो राजस्थान, वन्दे गंगा जल संरक्षण जन अभियान, पर्यावरण संरक्षण हेतु प्रचार-प्रसार, अनुपयोगी भवनों को राजीविका समूहों के लिए कार्यशाला के रूप में उपलब्ध कराना एवं ऑपन जिम की स्वीकृति जारी करना आदि कार्य किए जा रहे है। प्रत्येक शिविर में हेल्प-डेस्क स्थापित की गई है जिस पर ग्राम विकास अधिकारी अथवा ग्राम रोजगार सहायक विजिटर्स बुक संधारित कर शिविर में आने वाले लाभान्वितों एवं आगन्तुकों एवं जनप्रतिनिधियों का ब्यौरा संधारित कर रहे हैं।

बैठक में मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रतिभा वर्मा, अतिरिक्त जिला कलक्टर (द्वितीय) आशीष कुमार, अतिरिक्त जिला कलक्टर (तृतीय) कुंतल विश्नोई, अतिरिक्त जिला कलक्टर (चतुर्थ) देवेन्द्र कुमार जैन, अतिरिक्त जिला कलक्टर (उत्तर) मुकेश कुमार मूंड, अतिरिक्त जिला कलक्टर (दूदू) गोपाल सिंह परिहार सहित ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज विभाग, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग, जल संसाधन विभाग, कृषि विभाग, उद्यानिकी विभाग, पशुपालन विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग, सार्वजनिक निर्माण विभाग, वन विभाग, ऊर्जा विभाग, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों ने शिरकत की।

आज से जयपुर-मुंबई-पुणे समेत 5 नई उड़ानें शुरू

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट से हवाई सफर करने वाले यात्रियों के लिए अच्छी खबर है। 1 जुलाई 2025 से यहां फ्लाइटों के टाइम टेबल में बदलाव किया गया है। साथ ही देश के बड़े महानगरों के लिए पांच नई उड़ानों की शुरुआत की जा रही है। इससे जयपुर की एयर कनेक्टिविटी और मजबूत हो जाएगी और यात्रियों को ज्यादा विकल्प और सुविधाजनक टाइमिंग मिलेगी। दरअसल, पिछले तीन महीने से जयपुर एयरपोर्ट पर रनवे के मेंटेनेंस के चलते दोपहर 9:30 बजे से शाम 6 बजे के बीच सिर्फ दो फ्लाइटें ही उड़ान भर पा रही थीं। इस वजह से यात्रियों को सीमित विकल्प मिल रहे थे। लेकिन अब 1 जुलाई से नोटम (NOTAM) अवधि में भी बदलाव किया गया है, जिससे उड़ानों की संख्या और टाइमिंग बेहतर हो जाएगी।

क्या है नया नोटम शेड्यूल

- 1 जुलाई से जयपुर एयरपोर्ट पर NOTAM (यानि उड़ानों के लिए बंद अवधि) दोपहर 2:30 बजे से शाम 4:30 बजे तक रहेगी।
- सुबह 9:30 से दोपहर 2:30 तक नियमित रूप से फ्लाइटें संचालित होंगी।
- शाम 4:30 के बाद देर रात तक भी उड़ानें सामान्य रहेंगी।
- इस बदलाव से एयरपोर्ट पर कुल फ्लाइटों की संख्या बढ़कर 59 हो जाएगी, जिनमें 46 घरेलू और 8 अंतरराष्ट्रीय उड़ानें शामिल होंगी।

इन शहरों के लिए बढ़ेंगी उड़ानें

- मुंबई के लिए अभी 7 फ्लाइटें हैं, 1 जुलाई से इनकी संख्या बढ़कर 9 हो जाएगी।
- दिल्ली और बेंगलुरु के लिए रोजाना 5-5 फ्लाइटें रहेंगी।
- हैदराबाद के लिए रोज 4 फ्लाइटें रहेंगी।
- कोलकाता के लिए अभी 3 उड़ानें हैं, अब 4 हो जाएंगी।
- पुणे के लिए अभी 2 उड़ानें हैं, 1 जुलाई से 3 फ्लाइटें होंगी।
- अहमदाबाद और चंडीगढ़ के लिए 3-3 फ्लाइटें चलेंगी।
- इंदौर के लिए रोज 2 फ्लाइटें संचालित होंगी।
- इसके अलावा देहरादून, लखनऊ, उदयपुर, गोवा, कुल्लू, गाजियाबाद, बेलगाम, बीकानेर, वाराणसी, भुवनेश्वर, गुवाहाटी, चेन्नई और सूरत के लिए भी एक-एक फ्लाइट उपलब्ध रहेगी।

जयपुर से 1 जुलाई से शुरू होने वाली पांच नई उड़ानें

- **इंडिगो एयरलाइंस :** जयपुर से मुंबई के लिए दोपहर 12:55 बजे फ्लाइट संख्या 6E-2719।
- **एयर इंडिया :** जयपुर से मुंबई के लिए दोपहर 1:35 बजे फ्लाइट AI-612।
- **एयर इंडिया एक्सप्रेस :** जयपुर से कोलकाता के लिए सुबह 9:50 बजे फ्लाइट IX-1956।
- जयपुर से पुणे के लिए दोपहर 12:35 बजे फ्लाइट IX-2712।
- **इंडिगो एयरलाइंस :** जयपुर से सूरत के लिए दोपहर 2:25 बजे फ्लाइट 6E-715।

कनेक्टिविटी में होगा बड़ा सुधार

एयरपोर्ट अधिकारियों का कहना है कि इन नई फ्लाइटों के जुड़ने से जयपुर की देश के बड़े शहरों से कनेक्टिविटी और बेहतर हो जाएगी। इससे पर्यटन, व्यापार और औद्योगिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। यात्रियों के लिए यह बदलाव खास तौर पर फायदेमंद रहेगा। क्योंकि अब उन्हें फ्लाइट चुनने के ज्यादा विकल्प और बेहतर टाइमिंग मिलेगी।

प्रेस क्लब के सदस्यों व परिजनों ने लिया शिविर का लाभ, विशेषज्ञ चिकित्सकों ने किया परामर्श व औषधि वितरण

प्रेस क्लब में निःशुल्क आयुर्वेदिक चिकित्सा शिविर आयोजित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के अवसर पर पिंकसिटी प्रेस क्लब लि., जयपुर एवं जोरावर सिंह गेट स्थित राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान (NIA), मानद विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में प्रेस क्लब परिसर में एक विशेष निःशुल्क आयुर्वेदिक चिकित्सा शिविर एवं स्वास्थ्य संवाद का आयोजन किया गया।

इस जनकल्याणकारी शिविर में क्लब के सदस्यों, उनके परिवारजनों एवं मीडियाकर्मियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। शिविर में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर से आई विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम डॉ. अभिषेक उपाध्याय (शिविर प्रभारी), डॉ. लोकेन्द्र पहाड़िया, डॉ. ज्योत्सना ठाकुर, डॉ. देवल केवडिया, डॉ. साक्षी चाहर, डॉ. सुनील विश्नोई, डॉ. हेतल कोरिया, डॉ. पूजा दाधीच, डॉ. सपना चव्हाण एवं फार्मासिस्ट तिलक राज शर्मा ने विभिन्न रोगों की जांच, परामर्श एवं निःशुल्क औषधियों का वितरण किया। शिविर के दौरान दोपहर 1 से 2 बजे तक एक विशेष स्वास्थ्य संवाद सत्र का आयोजन भी हुआ, जिसमें ऋतु परिवर्तन, आयुर्वेदिक दिनचर्या, मौसमी रोगों से बचाव एवं प्राकृतिक चिकित्सा के लाभों पर उपयोगी जानकारी दी गई। पिंकसिटी प्रेस क्लब के अध्यक्ष मुकेश मीणा एवं महासचिव मुकेश चौधरी ने राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान के कुलपति प्रो. संजीव शर्मा का विशेष रूप से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि 'उनके सहयोग और प्रयासों से ही यह शिविर क्लब परिवार के लिए संभव हो सका। यह आयोजन न केवल आयुर्वेद के प्रति जागरूकता बढ़ाने वाला है, बल्कि क्लब के सदस्यों के स्वास्थ्य हित में भी अत्यंत महत्वपूर्ण है।'

शिविर की संयोजक डॉ. मोनिका शर्मा एवं सह संयोजक ज्ञानेन्द्र मिश्रा ने आयोजन की रूपरेखा साझा करते हुए बताया कि यह शिविर पिंकसिटी प्रेस क्लब की सामाजिक सरोकारों के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। कार्यक्रम के दौरान उपाध्यक्ष परमेश्वर शर्मा, कोषाध्यक्ष विकास शर्मा, कार्यकारिणी सदस्य मणिमाला शर्मा, ओमवीर भार्गव, दीपक सैनी, दिनेश शर्मा, अनिता शर्मा, निखिलेश शर्मा, उमंग माथुर, शालिनी श्रीवास्तव और विकास आर्य भी उपस्थित रहे।

रोटरी क्लब जयपुर पर्ल में नए सत्र की शुरुआत

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। रोटरी क्लब जयपुर पर्ल के नए सत्र की शुरुआत अध्यक्ष अंजना वर्मा सेक्रेटरी राजकुमारी रावत ने धार्मिक और सामाजिक गतिविधियों के साथ की । गणेश मंदिर के दर्शन के बाद, क्लब ने डॉक्टर्स डे पर एसएमएस हॉस्पिटल के ट्रॉमा सेंटर में डॉक्टर्स को सम्मानित किया। इस अवसर पर रेजिडेंट डॉक्टर्स को सम्मानित किया गया। इस कड़ी में एसएमएस हॉस्पिटल के सुपरिटेंडेंट डॉक्टर जगदीश चन्द्र मोदी और डॉ अनुराग धाकड़, डॉ लक्ष्मीकांत गोयल की उपस्थिति रही। इन्होंने सामाजिक कार्यों के लिए क्लब की महिला सदस्यों की सराहना की कार्यक्रम का संचालन ट्रोमा इंचार्ज राजकुमार राजपाल के नेतृत्व में हुआ। इसके बाद, क्लब ने एसएमएस नर्सिंग कॉलेज में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया, जो की नर्सिंग कॉलेज के प्रिंसिपल जोगेंद्र शर्मा के सहयोग व नेतृत्व में संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में रोटरी क्लब जयपुर पर्ल के अधिकांश सदस्यों ने सक्रिय भागीदारी की, जिससे क्लब की सामाजिक जिम्मेदारी और स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति प्रतिबद्धता स्पष्ट हुई।

स्कूलों में लौटी रौनक, खुले स्कूल, बच्चों का शिक्षकों ने शानदार अंदाज में किया स्वागत

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जोधपुर। गर्मी की छुट्टियों के बाद 1 जुलाई से जिले के सभी विद्यालयों में रौनक लौट आई। विद्यालयों में नव प्रवेशित बच्चों का रोली चंदन लगाकर स्वागत किया गया।

विद्या वैली सीनियर सेकेंडरी स्कूल के गेट आज खुल गए, जिससे नए शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत हुई। गर्मी की छुट्टियों के खत्म होने का बेसब्री से इंतजार कर रहे छात्र अपनी कक्षाओं में कदम रखते ही उत्साह से झूम उठे।

पहले दिन को यादगार बनाने के लिए दृढ़ संकल्पित शिक्षकों ने छात्रों का अनोखे और मजेदार तरीके से स्वागत किया। मिकी माउस और डोनाल्ड डक की रंग-बिरंगी पोशाक पहने शिक्षकों ने बड़ी मुस्कान और गर्मजोशी से गले मिलकर छात्रों का स्वागत किया।

छात्र अपने शिक्षकों को इस तरह के चंचल परिधान में देखकर रोमांचित थे और वे हंसना और तस्वीरें लेना बंद नहीं कर पाए। "हमारे शिक्षकों को इस तरह के परिधान में देखना बहुत अच्छा लग रहा है!"

राज्य सरकार द्वारा मण्डी सेस के विरोध में

2, 3, 4, 5 जुलाई को मण्डी व्यापार बंद रहेगा

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान खाद्य पदार्थ व्यापार संघ की 23-06-2025 को आयोजित कार्यकारिणी ने राज्य सरकार द्वारा 1 जुलाई से 1 प्रतिशत मण्डी सेस प्रभावी कर दिया गया है, के विरोध में राजस्थान की 247 मण्डियां 2, 3, 4 व 5 जुलाई को सांकेतिक व्यापार बंद रखकर विरोध प्रदर्शन करेंगी। आयोजित कार्यकारिणी में कृषक कल्याण फीस 0.50 प्रतिशत 3 साल के लिये करने की मांग की गयी थी। साथ ही यह भी मांग की गयी थी कि राज्य के बाहर से आयातित कृषि जिंसों पर मण्डी सेस तथा कृषक कल्याण फीस नहीं लिया जायें। चीनी पर कृषक कल्याण फीस नहीं लिया जायें। मोटे अनाज पर आड़त 2.25 प्रतिशत की जायें। इन सभी मांगों को दरकिनार कर राज्य सरकार ने किसी भी तरह के दिशा-निर्देश जारी नहीं किये हैं।

राज्य सरकार से यह भी मांग की गयी थी कि सभी कृषि जिंसों पर (जीरा व ईसबगोल को छोड़कर) मण्डी सेस 1 प्रतिशत किया जायें। बीकानेर मण्डी के संयुक्त लाईसेन्सधारियों को प्राथमिकता पर दुकाने आवंटित की जायें। खेरली मण्डी की दुकानों का मालिकाना हक खेरली मण्डी के व्यापारियों द्वारा बतायी गयी डीएलसी की 25 प्रतिशत दर पर मालिकाना हक दिया जायें। टोंक मण्डी, नोखा मण्डी, अजमेर मण्डी, बीकानेर मण्डी तथा अन्य मण्डियों के गोदामों को डीएलसी की 25 प्रतिशत दर पर आवंटित किये जायें। प्याज को मसाला कैटेगरी में रखना भी प्रस्तावित है। सभी मण्डियों में किराये की दुकानों का मालिकाना हक वर्तमान डीएलसी की 25 प्रतिशत राशि पर दिया जायें।

गंगापुरसिटी मण्डी की 67 बीघा जमीन का कब्जा लेकर दुकाने आवंटित की जायें। नयी मीलों को दी जा रही छूट के अनुसार ही पुरानी मीलों को भी छूट दी जायें। बयाना मण्डी के पट्टों का रिवेलिडेशन करवाकर रजिस्ट्री करवायी जायें। अजमेर मण्डी की जली हुयी दुकानों का निर्माण शीघ्र करवाया जायें।

राज्यपाल बागडे के समक्ष किया लोक कला का प्रदर्शन

अलगोजा बजाने वाले कलाकार रामनाथ चौधरी ने राज्यपाल से की मुलाकात

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे से मंगलवार को राजभवन में सुप्रसिद्ध अलगोजा वादक रामनाथ चौधरी ने मुलाकात की। चौधरी ने नाक से अलगोजा बजाने की राजस्थान की दुर्लभ लोक कला को सुदूर देशों तक पहुंचाया है। उन्होंने राज्यपाल बागडे को अलगोजा से राजस्थान की कई लोकधुनें भी सुनाई। राज्यपाल ने उनकी इस विशिष्ट कला की सराहना की। साथ ही राज्यपाल ने लोक संगीत की साधना को महत्वपूर्ण बताया और उन्हें शुभकामनाएं दी। चौधरी की लोक कला को वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स एवं इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज किया गया है।

मुख्यमंत्री की संवेदनशील पहल से मिला जरूरतमंद को संबल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मंशानुरूप मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा महिला, युवा, मजदूर और किसान के कल्याण और उत्थान के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहे हैं। इसी प्रतिबद्धता पर आगे बढ़ते हुए शर्मा ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय सम्बल पखवाड़े (24 जून से 9 जुलाई) की पहल की है जिसके माध्यम से गांव-ढाणी में अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति के लंबित कार्यों के निष्पादन के साथ उनके लिए लोक कल्याणकारी योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित की जा रही है। पखवाड़े के अंतर्गत कार्यों से 'आपणो अग्रणी राजस्थान' के संकल्प की सिद्धि का मार्ग तेजी से प्रशस्त हो रहा है।

शर्मा ने दूदू तहसील स्थित बिचून ग्राम में पंडित दीनदयाल उपाध्याय संबल पखवाड़े का शुभारंभ किया। पखवाड़े का नामकरण महान विचारक पं. दीनदयाल उपाध्याय के नाम पर किया गया जिन्होंने अपना पूरा जीवन समाज के वंचित वर्ग के उत्थान के लिए समर्पित किया। प्रदेश के हर गांव और हर व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाना इस पखवाड़े का मूलमंत्र है। यह पखवाड़ा विकास के उजियारे को हर जरूरतमंद तक पहुंचाने में मील का पत्थर साबित हो रहा है और अब तक (29 जून) के आंकड़े इसकी सफलता की कहानी को दर्शाते हैं।

सहमति विभाजन के 8 हजार 531, रास्तों के 9 हजार 96 प्रकरण निस्तारित

ग्रामीण क्षेत्रों की प्रमुख समस्या राजस्व से संबंधित रहती हैं। इन समस्याओं के निष्पादन से किसान, मजदूर और जरूरतमंद व्यक्ति को व्यापक स्तर पर राहत पहुंचायी जा सकती है। इसके दृष्टिगत पखवाड़े के अंतर्गत आयोजित शिविरों में राजस्व संबंधी प्रमुख प्रकरणों के निष्पादन का कार्य तत्परता से किया जा रहा है। अब तक की प्रगति के अनुसार पखवाड़े में सीमाज्ञान के 18 हजार 15, नामांतरण के 43 हजार 120, सहमति विभाजन के 8 हजार 531 और रास्तों के 9 हजार 96 प्रकरणों को निस्तारण करते हुए बड़ी संख्या में ग्रामीणों को लाभ पहुंचाया गया है। वहीं, इसके अंतर्गत ग्रामीण विकास विभाग ने विभिन्न सरकारी योजनाओं से जुड़ने के कुल 53 हजार 202 आवेदन प्राप्त किए गए हैं और पंचायती राज विभाग ने 52 हजार 183 स्वामित्व पट्टों का वितरण किया है।

सुगम जलापूर्ति हो रही सुनिश्चित, 15 हजार से अधिक नल कनेक्शन जारी

प्रदेश के सभी अंचलों में निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता में से एक है। इसी क्रम में पखवाड़े के अंतर्गत विद्युत सुदृढ़ीकरण सहित मरम्मत कार्यों को गति दी जा रही है। अब तक 13 हजार 684 झूलते तारों को खिचवाने और 10 हजार 195 विद्युत पोल सही करने का कार्य किया गया है। इस अवधि में जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग द्वारा 15 हजार 722 लंबित नल कनेक्शन जारी किए गए हैं जिससे उपभोक्ता को सुगम जलापूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी। वहीं, 5 हजार 356 पानी की टंकियों की सफाई और 11 हजार 668 लीकेज की मरम्मत भी की गई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान से प्रेरणा लेकर राज्य सरकार ने 'हरियालो राजस्थान' अभियान चलाया है। इस अभियान का प्रमुख ध्येय प्रदेश में ग्रीन कवर बढ़ाना है।

कपूरावाला पंचायत में दीनदयाल अंत्योदय पखवाड़े का हुआ आगाज

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। सांगानेर के उपखण्ड क्षेत्र ग्राम पंचायत कपूरावाला में आयोजित शिविर लगा। जिसमें भाजपा सरकार द्वारा संचालित पण्डित दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय संबल पखवाड़ा के देवतुल्य जनता की समस्याएं सुनी, उनका समाधान किया। वहीं केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं एवं नीतियों से जनता को अवगत कराकर हर पात्र व्यक्ति तक उनका लाभ सुनिश्चित हो। इसके लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। विभिन्न उपखंड अधिकारी सांगानेर हिम्मत सिंह, नायब तहसीलदार सांगानेर सुरज, भूअभीलेख निरीक्षक मुहाना विशाल सिंगल,पटवारी रामजी लाल मीणा, राहुल गंगावत, अंकीत चोधरी राजस्व कार्य 15 आपसी सहमति का विभाजन, 30 लम्बीत नामांकरण,14 सीमाज्ञान, 2 रास्तो से अतिक्रमण हटाया एवं कर्मचारी ओर गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सुधीर माथुर को स्वामी विवेकानंद पुरस्कार

जयपुर @ जागरूक जनता। शहर के आंत्रप्रेन्योर सोश्यल एक्टिविस्ट सुधीर माथुर को प्रतिष्ठित स्वामी विवेकानंद पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कायस्थ समाज के एक कार्यक्रम में यह पुरस्कार विधायक गोपाल शर्मा ने सुधीर माथुर को उनके समाज में बहुमूल्य योगदान के लिए प्रदान किया। माथुर को यह सम्मान मिलना समाज के लिए गौरव का क्षण रहा। गौरतलब है कि समारोह में अपने-अपने क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले अन्य लोगों को भी सम्मानित किया गया।

राजीविका की एम्पावरमेंट कमेटी की 20 वीं बैठक का आयोजन

ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाना राज्य सरकार का प्रमुख ध्येय-गुहा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। अतिरिक्त मुख्य सचिव ग्रामीण विकास विभाग श्रेया गुहा के अध्यक्षता में मंगलवार को शासन सचिवालय स्थिति कॉफ्रेंस हॉल में राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद् की एम्पावरमेंट कमेटी की 20 वीं बैठक का आयोजन किया गया।

अतिरिक्त मुख्य सचिव ग्रामीण विकास विभाग ने बताया कि राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद् का मुख्य उद्देष्य ग्रामीण महिलाओं को संगठित कर उन्हें सामाजिक व आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है और इसके लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही है। यह परिषद् स्वयं सहायता समूह के माध्यम से गरीबी उन्मूलन और आजीविक संवर्धन का कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि राजीविका का मुख्य कार्य स्वयं सहायता समूह का गठन व सषक्तिकरण, ग्रामीण महिलाओं को प्रषिक्षण देना, वित्तीय सहायता, विपणन सुविधा उपलब्ध कराना, विभिन्न आजीविका गतिविधि हस्तषिल्प, कृषि, पषुपालन आदि को बढ़ावा देना और स्वयं सहायता समूह को वित्तीय संस्थाओं से ऋण सुविधा उपलब्ध कराना है।

राज्य मिशन निदेषक आजीविका परियोजनाएं एवं स्वयं सहायता समूह नेहा गिरी ने बताया कि सोलर दीदी भारत सरकार के वर्ष 2030 तक नवीनीकरण ऊर्जा क्षमता स्थापित करने के लक्ष्यों के परिप्रेक्ष्य में राजस्थान सरकार द्वारा नवीन पहल के तहत सोलर दीदी कैडर का गठन किया गया है। सोलर दीदी कैडर का प्रारंभ ऊर्जा के क्षेत्र में ग्रामीण महिलाओं की भागीदारी एवं महिला उद्यमिता को सषक्त करने के उद्देष्य से किया गया है। बैठक में पिछली 19 वीं बैठक की कार्यवाही को स्वीकृति दी गई और कार्यवाही स्थिति की समीक्षा की गई। वित्ताय वर्ष 2024-25 की बजट घोषणाओं की प्रगति की एवं नए वित्तीय वर्ष की घोषणाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की गई। वित्तीय वर्ष 2025-26 की घोषणाओं में सोलर दीदी, राजस्थान महिला निधी, समावेषी आजीविका योजना की समीक्षा की गई साथ ही लखपति दीदी, ड्रोन दीदी, सोलर दीदी, बैंक सखी, कृषि सखी और पषु सखी को प्रत्येक ब्लॉक स्तर पर बेस्ट प्रर्फोमेंस वाली 10 दीदियों को टेबलेट दिये जाने की भी समीक्षा की गई। बजट घोषण 3 लाख लखपति दीदियों को 1.5 प्रतिषत ब्याज दर पर 1 लाख रुपये तक का लोन दिये जाने की भी समीक्षा की गई। बैठक में आयुक्त मनरेगा पुष्पा सत्यानी, निदेषक सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग आषिष मोदी, अयुक्त श्रम विभाग पुजा कुमारी पार्थ, निदेषक स्वच्छ भारत मिशन सलोनी खेमका, प्रोजेक्ट निदेषक (प्रशासन) राजीविका प्रीति सिंह सहित संबंधित विभागों के उच्च अधिकारी उपस्थित रहे।

उपमुख्यमंत्री डॉ. बैरवा ने किया पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़ा शिविर का अवलोकन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचन्द ने मंगलवार को दूदू विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत सवाई जयसिंहपुरा, कांसेल, दांतरी, झाग, पडासौली में 'पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़ा' के अंतर्गत आयोजित शिविर का अवलोकन किया। उन्होंने केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के संबंध में लाभार्थियों से संवाद किया। उपमुख्यमंत्री ने कहा मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशानुरूप राज्य सरकार इस शिविर के माध्यम से अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुँचाने, पारदर्शी सेवा वितरण सुनिश्चित करने तथा समाज के प्रत्येक वंचित वर्ग को सशक्त बनाने हेतु प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर उन्होंने "एक पेड़ माँ के नाम" व "हरियालो राजस्थान" अभियान के तहत पौधारोपण भी किया।

वित्तीय समावेशन और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं हेतु 30 सितंबर तक देशव्यापी सतत अभियान

जयपुर @ जागरूक जनता। केन्द्रिय वित्तीय सेवा विभाग के निर्देशानुसार 1 जुलाई से 30 सितंबर तक एक त्रैमासिक देशव्यापी वित्तीय समावेशन एवं सामाजिक सुरक्षा अभियान संचालित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य ग्राम पंचायत स्तर तक बैंकिंग, बीमा और पेंशन जैसी आवश्यक वित्तीय सेवाओं की पहुँच सुनिश्चित करना और पात्र नागरिकों को इन योजनाओं से जोड़ना है। अभियान के प्रमुख घटकों में प्रधानमंत्री जन धन योजना (PMJDY) के अंतर्गत वर्तमान निष्क्रिय बैंक खातों का पुनः सत्यापन, जिन व्यक्तियों के अभी तक बैंक खाते नही है, उनके नए बैंक खाते खोलना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना और अटल पेंशन योजना में नामांकन को प्रोत्साहन देना शामिल है।

कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने नकली खाद-बीज के खिलाफ चलाई मुहिम

मीणा की छापेमारी दिल्ली तक गूंजी

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान के कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा की नकली खाद और बीज के खिलाफ छापेमारी की चर्चा अब दिल्ली तक पहुंच गई है। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इस अभियान की सराहना करते हुए बड़ा ऐलान किया है। एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए चौहान ने कहा कि राजस्थान में किरोड़ी लाल मीणा की तरह जिस तरह छापेमारी हो रही है, वह सराहनीय है। उन्होंने कहा कि नकली खाद और बीज बेचने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। इसके लिए सख्त कानून बनाने की तैयारी चल रही है। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि किसानों को नकली खाद-बीज की पहचान करने में सक्षम बनाने के लिए विशेष उपकरण विकसित किए जाने चाहिए।

शिवराज सिंह चौहान ने जताई ये चिंता

शिवराज सिंह चौहान ने देश में कृषि उत्पादकता की कमी पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि हमारी उत्पादकता इतनी कम क्यों है, यह समझ से परे है। तकनीक और प्रबंधन का लाभ मिलने के बावजूद परिणाम अपेक्षित नहीं हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि सरकार नकली खाद और बीज के कारोबार को जड़ से

खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके लिए 'विकसित कृषि संकल्प अभियान' के तहत 2,170 टीमों ने 1.35 करोड़ किसानों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को समझा और समाधान सुझाए।

किरोड़ी लाल मीणा ने की तारीफ

किरोड़ी लाल मीणा ने केंद्रीय मंत्री चौहान के बयान का स्वागत करते हुए कहा कि आदरणीय शिवराज सिंह चौहान जी आपके इस बेबाक बयान से राजस्थान में अमानक बीज, खाद व कीटनाशक के खिलाफ चल रहा अभियान और अधिक सशक्त होगा। किसानों को साथ दगा करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। यह सुखद है कि इसके लिए कड़ा कानून तैयार हो रहा है। मैंने भी यही मांग की थी। आगे उन्होंने कहा कि अमानक बीज, खाद व कीटनाशक बनाना और बेचना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के किसानों की आय को दोगुनी करने के संकल्प को असफल करने की गहरी साजिश का हिस्सा है। इसमें शामिल हर चेहरे को बेनकाब करना जरूरी है ताकि किसान भाइयों को गुणवत्तापूर्ण बीज, खाद व कीटनाशक मिल सकें।

नकली खाद के खिलाफ छापेमारी जारी

इधर, राजस्थान में किरोड़ी लाल मीणा का नकली खाद और बीज के खिलाफ अभियान पूरे जोर-शोर से चल रहा है। अजमेर के किशनगढ़, बीकानेर, उदयपुर और श्रीगंगानगर में उनकी अगुवाई में कई छापेमारी की गईं, जहां हजारों टन नकली खाद जब्त की गई। किशनगढ़ में 13 फर्टिलाइजर कंपनियों के लाइसेंस को 14 दिनों के लिए निलंबित कर दिया गया है और उनसे स्पष्टीकरण मांगा गया है। तय समय में जवाब न देने पर इनके लाइसेंस स्थायी रूप से रद्द हो सकते हैं। डॉ. मीणा ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि हर क्षेत्र में कड़ी नजर रखी जाए और अवैध गतिविधियों की सूचना मिलते ही तत्काल कार्रवाई हो। उन्होंने चेतावनी दी कि लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर अनुशासनात्मक कार्रवाई होगी। अब तक 11 अधिकारियों को निलंबित किया जा चुका है।

सम्पादकीय

हिन्दुस्तान की दो टूक

शंघाई सहयोग संगठन के सम्मेलन में चीन और पाकिस्तान ने आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई को कमजोर करने का प्रयास किया, जिसके कारण संयुक्त बयान जारी नहीं हो सका। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आतंकवाद पर कोई समझौता न करने का कड़ा संदेश दिया। शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन (SCO) के सम्मेलन में संयुक्त बयान पर हुआ घटनाक्रम चीन और पाकिस्तान का आतंक के खिलाफ भारत की लड़ाई को कमजोर करने का प्रयास है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बयान पर हस्ताक्षर करने से इनकार कर स्पष्ट संदेश दिया है कि आतंकवाद पर कोई समझौता नहीं किया जाएगा। बैठक में रक्षा मंत्री ने साफ शब्दों में कहा कि आतंकियों, उनके समर्थकों, फंडिंग करने वालों और सीमा पार से आतंक फैलाने वालों को जवाबदेह ठहराना जरूरी है। लेकिन, जब भारत ने यह प्रस्ताव दिया कि पहलगाम में हुए आतंकी हमले को संयुक्त बयान में शामिल किया जाए, तो चीन और पाकिस्तान ने मिलकर इसका विरोध किया।

शंघाई सहयोग संगठन के सम्मेलन में चीन और पाकिस्तान ने आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई को कमजोर करने का प्रयास किया, जिसके कारण संयुक्त बयान जारी नहीं हो सका। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आतंकवाद पर कोई समझौता न करने का कड़ा संदेश दिया।

पाकिस्तान की ओर से यह कोशिश की गई कि बलूचिस्तान में हुई घटनाओं और वहां की स्थिति को संयुक्त बयान में जगह मिले। यह एक सोची-समझी रणनीति थी। वर्तमान SCO अध्यक्ष होने के नाते सदस्यों के बीच संतुलन की जिम्मेदारी चीन की थी, लेकिन उसने हमेशा की तरह पाकिस्तानी अजेंडे को आगे बढ़ाया। भारत के रुख से उसे झटका लगा है। संयुक्त बयान जारी न होना बड़ी नाकामी है। बलूचिस्तान के मानवीय संकट को आतंकवाद का रूप देकर पाकिस्तान वहां के लोगों पर हो रहे अत्याचारों को छिपाना चाहता है। वह भारत पर झूठे आरोप लगाकर अंतरराष्ट्रीय सहानुभूति बटोरने की पुरानी रणनीति पर चल रहा है। वहीं चीन, जो खुद शिनच्यांग में उइगुर मुस्लिमों के खिलाफ दमनकारी नीतियों के लिए बदनाम है, पाकिस्तान की इसी भाषा का समर्थन कर रहा है। दोनों को ही पता है कि आतंकवाद पर होने वाली किसी भी बात का सिरा पाकिस्तान तक ही पहुंचेगा। चीन ऐसा नहीं होने दे सकता, क्योंकि भारत के खिलाफ इस्लामाबाद उसका मोहरा है। SCO की स्थापना इसलिए की गई थी, ताकि सोवियत संघ के विघटन के बाद इलाके में शांति और सुरक्षा बनी रहे। इस समूह का प्राथमिक लक्ष्य है - आपसी सहयोग से एक-दूसरे की सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं को दूर करना। लेकिन, चीन और पाकिस्तान ने SCO की इस मूल भावना के विपरीत काम किया है। अपने तुच्छ हितों के लिए उन्होंने ऑर्गनाइजेशन के मकसद को भुलाकर कूटनीतिक संकट पैदा कर दिया। संयुक्त बयान को आतंकवाद के मुद्दे से भटका कर चीन और पाकिस्तान ने संगठन की विश्वसनीयता व उद्देश्य पर प्रश्नचिह्न लगा दिया है। जब कोई संगठन अपने ही मूल सिद्धांतों से पीछे हटने लगे, तो फिर उसका अंतरराष्ट्रीय कद और प्रभाव भी गिरने लगता है। SCO इसका शिकार न हो, इसके लिए दूसरे सदस्य देशों को चीन-पाकिस्तान की चालबाजियों को समझना होगा।

ऑनलाइन कंटेंट क्रिएशन आज सिर्फ एक हॉबी नहीं, बल्कि एक पूरा करियर बन चुका है। सही सोच, मेहनत और स्मार्ट रणनीति के साथ कोई भी व्यक्ति इस क्षेत्र में सफलता पा सकता है। हमारे देश में जहां इंटरनेट तेजी से फैल रहा है, वहां डिजिटल क्रिएटर्स आने वाले समय के नए सेलिब्रिटी और उद्यमी होंगे।

डिजिटल युग में नया सितारा-ऑनलाइन कंटेंट क्रिएटर

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

श्याम माथुर
वरिष्ठ पत्रकार
@jagrukjanta.net

बीते एक दशक में देश में इंटरनेट और स्मार्टफोन का प्रसार विस्फोटक तरीके से हुआ है। लेकिन इसके साथ एक और चीज चुपचाप लेकिन मज़बूती से बढ़ी है। यह है ऑनलाइन कंटेंट क्रिएटर की दुनिया। आज लाखों भारतीय यूट्यूब, इंस्टाग्राम, फेसबुक और अन्य प्लेटफ़ॉर्म्स पर न केवल अपनी पहचान बना रहे हैं, बल्कि उससे अच्छी-खासी कमाई भी कर रहे हैं। यह क्षेत्र अब सिर्फ एक हॉबी या एक्स्ट्रा इनकम नहीं, बल्कि एक फुल-टाइम करियर विकल्प बन चुका है। आज देश में कोई भी व्यक्ति- चाहे वह कॉलेज का छात्र हो, एक गृहिणी हो, किसान हो या शिक्षक- अपने मोबाइल और इंटरनेट से एक स्वतंत्र डिजिटल पहचान और आय का माध्यम बना सकता है। सर्वे और आंकड़ों से साफ है कि कंटेंट क्रिएशन अब एक हॉबी नहीं, बल्कि अगली पीढ़ी की डिजिटल अर्थव्यवस्था का हिस्सा बन चुका है। एक अध्ययन के अनुसार-

- देश में कंटेंट क्रिएटर इकोनॉमी का आकार 2025 तक ?2210 करोड़ तक पहुंच सकता है।
- वर्तमान में देश में 80 लाख से अधिक कंटेंट क्रिएटर्स हैं, जिनमें से 1-1.5 लाख फुल-टाइम कमाई कर रहे हैं।
- 2024 में देश के टियर-2 और टियर-3 शहरों से आने वाले क्रिएटर्स की संख्या 45 प्रतिशत तक बढ़ी।
- 18 से 25 वर्ष की आयु वर्ग में से 68 फीसदी युवा कंटेंट क्रिएटर बनना चाहते हैं।
- यूट्यूब, इंस्टाग्राम भारत में सबसे लोकप्रिय प्लेटफ़ॉर्म हैं, जहाँ 70 फीसदी क्रिएटर्स सक्रिय हैं।
- हिंदी, तमिल, तेलुगू, बंगाली और मराठी जैसी स्थानीय भाषाओं में कंटेंट की मांग सबसे तेज़ी से बढ़ रही है।

हालांकि इस दुनिया में चुनौतियाँ भी बहुत हैं। शुरू में कमाई कम होती है और मेहनत ज्यादा लगती है। सोशल मीडिया एल्गोरिद्म बदलते रहते हैं। मानसिक दबाव, हेट कमेंट्स और बर्नआउट का सामना भी करना पड़ सकता है। साथी ही, कॉपीराइट जैसे मामलों से भी निपटना पड़ता है।

दिलचस्प बात यह है कि देश में कंटेंट क्रि एशन सिर्फ मेट्रो शहरों तक सीमित नहीं रहा। आज गांव-देहात से लेकर छोटे कस्बों तक से लोग वायरल हो रहे हैं। कुछ उदाहरण- 'विलेज कुकिंग चेनल' (तमिलनाडु): पारंपरिक खाना बनाकर 1 करोड़ से अधिक सब्सक्राइबर्स जुटा चुका है। 'माइ गोविंदा व्लोग्स' (उत्तर प्रदेश): देहाती जीवन के वीडियो के जरिये लाखों व्यू जुटा लेता है। गांवों, कस्बों और लोकभाषाओं में कंटेंट बनाना अब एक नई लहर बन चुका है। जैसे- देसी स्टाइल खाना बनाना, खेती-बाड़ी और देसी जुगाड़, ग्रामीण जीवन के व्लॉग या फिर स्थानीय हँसी-मजाक या लोककला। जाहिर है कि लोकल भाषा में कंटेंट की मांग तेजी से बढ़ रही है- शिक्षा, स्वास्थ्य, खेती, महिला जीवनशैली आदि। एआई टूल्स और सस्ते एडिटिंग ऐप्स ने रचनात्मकता को और सुलभ बना दिया है। साथ ही, सरकार और स्टार्टअप्स डिजिटल उद्यमियों को सहयोग देने के लिए मंच बना रहे हैं। पहले जब करियर की बात होती थी तो डॉक्टर, इंजीनियर, वकील, या सरकारी नौकरी जैसे विकल्प ही ज़ेहन में आते थे। लेकिन इंटरनेट के प्रसार और सोशल मीडिया के उदय ने एक नई पेशेवर श्रेणी को जन्म दिया है- ऑनलाइन कंटेंट क्रिएटर्स। ये वो लोग हैं जो यूट्यूब, इंस्टाग्राम, फेसबुक, ब्लॉग्स, पॉडकास्ट, ट्विटर (एक्स) और अब रील्स व शॉर्ट्स जैसे माध्यमों से अपना कंटेंट लाखों-करोड़ों दर्शकों तक पहुंचाते हैं और उससे कमाई भी करते हैं।

प्रतिष्ठित न्यूज मैगजीन 'इंडिया टुडे' ने कंसल्टिंग फर्म ईवाई के हवाले से बताया है कि साल 2024 में हमने 11 खरब घंटे यानी रोजाना औसतन पांच घंटे मोबाइल स्क्रीन देखते हुए बिताए। इसमें 70 फीसदी वक्त सोशल मीडिया, वीडियो प्लेटफॉर्म और गेमिंग पर खर्च किया गया। सिर्फ यही नहीं, दुनिया का सबसे ज्यादा आबादी वाला हमारा देश सबसे ज्यादा इंस्टाग्राम रील बनाता है और उसके पास सबसे ज्यादा यूट्यूब चैनल भी हैं (10 करोड़ से ज्यादा, जिनमें 15,000 से ज्यादा लोगों के पास 10 लाख से ज्यादा सब्सक्राइबर हैं)। इसमें कोई अचरज की बात नहीं कि डिजिटल चैनलों ने मीडिया और मनोरंजन उद्योग के सबसे बड़े खंड के तौर पर उभरने के साथ टेलीविजन को पीछे छोड़ दिया है और 2024 में उनकी कमाई 80,200 करोड़ रुपए की हुई। बदले हुए हालात में सहज ही यह सवाल सामने आता है कि देश में कंटेंट क्रिएशन का चलन क्यों बढ़ा? इसके पीछे अनेक कारण हैं।

1. सस्ता इंटरनेट- भारत में दुनिया का सबसे सस्ता डेटा उपलब्ध है- 10-15/जीबी
2. बढ़ता स्मार्टफोन उपयोग- ग्रामीण भारत में भी अब 4जी फोन सामान्य हो गए हैं
3. बहुभाषी दर्शक वर्ग- यूट्यूब, इंस्टाग्राम, फेसबुक जैसे प्लेटफ़ॉर्म अब हिंदी, भोजपुरी, पंजाबी, तमिल, मराठी, गुजराती, उर्दू, मलयालम आदि में कंटेंट को बढ़ावा देते हैं।
4. वैकल्पिक आजीविका- बेरोजगारी या नौकरी में असंतोष की स्थिति में युवाओं के लिए कंटेंट क्रिएशन एक सशक्त विकल्प बनकर उभरा है।
5. सरल टूल्स और ऐप्स- वीडियो एडिटिंग, रील्स बनाने के लिए अब आपको महंगे कंप्यूटर की जरूरत नहीं, मोबाइल ऐप्स ही काफ़ी हैं।

स्पष्ट है कि देश में इंटरनेट की सुलभता और सस्ते डेटा प्लान्स (विशेषकर जियो के आगमन के बाद) ने देश में एक डिजिटल क्रांति ला दी है। आज हर शहर, कस्बा और गांव से लोग न सिर्फ इंटरनेट पर आ रहे हैं, बल्कि खुद को कंटेंट क्रिएटर के रूप में स्थापित भी कर रहे हैं। अब 4जी स्मार्टफोन के जरिए भी कोई युवा अपने गांव की कहानी, खाना बनाने की विधि या मोबाइल से शूट किए गए व्लॉग के माध्यम से करोड़ों लोगों तक पहुंच बना सकता है और उससे अच्छी-खासी कमाई भी कर सकता है। देश में क्रिएटर्स की कमाई प्लेटफॉर्म, भाषा, दर्शक वर्ग, विषयवस्तु और एंगेजमेंट पर निर्भर करती है।

दरअसल ऑनलाइन कंटेंट क्रिएटर वो होता है जो डिजिटल प्लेटफॉर्म जैसे यूट्यूब, इंस्टाग्राम, फ़ेसबुक या ब्लॉग्स पर वीडियो, फोटो, लेख या ऑडियो के रूप में कंटेंट बनाता है। इनका मकसद होता है-जानकारी देना, मनोरंजन करना या लोगों की किसी समस्या को हल करना। और अब ये सिर्फ शौक नहीं रहा, अब यह एक फुल-टाइम करियर बन चुका है। चलिए, अब जानते हैं, ये क्रिएटर्स कमाते कैसे हैं?

यूट्यूब एड रेवेन्यू - अगर आपके वीडियो पर अच्छे व्यू आते हैं, तो यूट्यूब आपको विज्ञापन से पैसे देता है। भारत में औसतन 50-100 प्रति 1000 व्यूज़।
ब्रांड प्रमोशन्स- ब्रांड्स कंटेंट क्रिएटर्स को अपने प्रोडक्ट्स प्रमोट करने के लिए पैसे देते हैं।
एफिलिएट मार्केटिंग- अपने वीडियो या पोस्ट में लिंक लगाओ, लोग उससे खरीदारी करें तो कमीशन मिले।
डिजिटल प्रोडक्ट्स- ई-बुक्स, कोर्सेज, मर्चेंडाइज़ बेचकर कमाई।
सब्सक्रिप्शन और सुपरचैट- लाइव स्ट्रीम में फैंस से डायरेक्ट सपोर्ट।

हालांकि इस दुनिया में चुनौतियाँ भी बहुत हैं। शुरू में कमाई कम होती है और मेहनत ज्यादा लगती है। सोशल मीडिया एल्गोरिद्म बदलते रहते हैं। मानसिक दबाव, हेट कमेंट्स और बर्नआउट का सामना भी करना पड़ सकता है। साथी ही, कॉपीराइट जैसे मामलों से भी निपटना पड़ता है। लेकिन अगर आप इन चुनौतियों का बेहतर तरीके से सामना कर सकते हैं और अगर आपके पास एक स्मार्टफोन है और कुछ कहने का जज़्बा है, तो अब किसी की मंजूरी की जरूरत नहीं। ऑनलाइन कंटेंट क्रिएशन की एक पूरी दुनिया आपके स्वागत के लिए तैयार है।

जो लोग बाहर से बहुत तेज़ दिखते हैं, वे अक्सर भीतर से बहुत थके हुए होते हैं

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

ज्ञानेन्द्र मिश्रा
पत्रकार
@jagrukjanta.net

बचपन में सिखाया जाता है कि अच्छा बनो, होशियार बनो, अच्छे नंबर लाओ, जीत कर दिखाओ। धीरे-धीरे ये सीख एक आदत में बदल गई और पता भी नहीं चला कि कब ये हमारे मन की एक दौड़ में बदल गई।

दूसरों से आगे निकलने की दौड़। कभी क्लास में पहले आने की, कभी ऑफिस में प्रमोशन की, कभी समाज में इज़्ज़त कमाने की, और कभी अपने ही भाई-बहनों, दोस्तों, रिश्तेदारों से बेहतर दिखने की। पर इस लगातार चलने वाली दौड़ में हम भूल गए कि जिस आत्मा को लेकर निकले थे, वो कहाँ है? हर सुबह उठते हैं और सोचते हैं, किसे पछाड़ना है। हर शाम थककर सोते हैं और गिनते हैं कि कितने पीछे रह गए। ये थकान सिर्फ शरीर की नहीं है, ये आत्मा की थकान है। क्योंकि हमने अपनी गति किसी और की रफ़्तार से बाँध दी है। हम अपने फैसले किसी और की कामयाबी देखकर लेने लगे हैं।

और धीरे-धीरे हमारी ज़िंदगी, हमारी नहीं रह जाती ङ्क वह एक नक़ल बन जाती है, दूसरों के रास्तों की, दूसरों के सपनों की। ऐसा नहीं है कि प्रतिस्पर्धा बुरी चीज़ है। प्रतिस्पर्धा से प्रेरणा मिलती है, चेतना आती है। पर जब प्रतिस्पर्धा अंधी तुलना बन जाती है, तब वह आत्मा को खोखला कर देती है। आपको अगर किसी से आगे ही निकलना है, तो उस 'आप' से निकलिए, जो डरता है, जो टालता है, जो रोज़ कहता है "कल से"। अपना असली प्रतिद्वंद्वी कोई और नहीं, हमारा ही कल का, हमारा ही पुराना संस्करण है।

आज के इस युग में, जहाँ सोशल मीडिया हर दिन दूसरों की उपलब्धियों को चमका कर पेश करता है, वहाँ अपने ही भीतर स्थिर रहना एक साधना है। दूसरे ने कौन-सी गाड़ी खरीदी, किसे कौन-सा अवॉर्ड मिला, कौन कहाँ घूमने गया, ये सब देखकर अपने जीवन की दिशा बदल देना, एक ग़लती है। क्योंकि आप जिसे पीछे छोड़ना चाहते हैं, वो कभी आपकी दौड़ में था ही नहीं। हर आत्मा की यात्रा अलग है, हर आत्मा का समय अलग है। जिस दिन आप समझ गए कि आपकी गति का कोई संबंध किसी और की सफलता से नहीं है, उसी दिन आप अपने भीतर लौटने लगेंगे। वो लौटना ही असली आगे बढ़ना है।

जो लोग बाहर से बहुत तेज़ दिखते हैं, वे अक्सर भीतर से बहुत थके हुए होते हैं। क्योंकि वो खुद से बहुत दूर चले गए होते हैं। अपने शौक़ खो दिए, अपनी मासूमियत खो दी, अपने विचारों की स्वतंत्रता खो दी। खुशी और संतोष हमेशा भीतर से आते हैं और उनका रास्ता आत्म-साक्षात्कार से होकर जाता है, ना कि तुलना और प्रतियोगिता से।

तो अगली बार जब आपको लगे कि आप पीछे रह गए हैं, ज़रा रुकिए, साँस लीजिए और खुद से पूछिए -क्या मैं अपनी राह पर चल रहा हूँ, या किसी और की नक़ल कर रहा हूँ? कभी-कभी ज़िंदगी में सबसे ज़रूरी दौड़ वो होती है, जहाँ हम खुद से मिलते हैं। जो खुद से जुड़ गया, उससे कोई आगे नहीं निकल सकता।

सुंदरचंद ठाकुर इंडियन आर्मी में ऑफिसर थे, मगर उन्हें किशोर उम्र से ही जर्नलिस्ट बनने का ऐसा शौक था कि पांच साल बाद फौज छोड़ दी और लेखन से जुड़ गए। वह लंबे समय से सोशल, पॉलिटिकल विषयों पर लिखते रहे हैं, मगर पिछले कुछ सालों से स्पोर्ट्स उनका मुख्य फील्ड बन गया है। उनकी खासियत यह है कि वह स्पोर्ट्स के विषयों पर लिखते हुए अपने लेखन को समाज और जीवन से जोड़ने की कोशिश करते हैं। कुमाऊं यूनिवर्सिटी से साइंस में ग्रेजुएट वह कविताएं और कहानियां भी खूब लिखते हैं और इस क्षेत्र में उनकी एक पहचान बन चुकी है। अपने ब्लॉग 'दूसरा पहलू' में वह ज्यादातर स्पोर्ट्स से जुड़े विषयों पर ही कलम चलाते रहेंगे, मगर गाहे-बगाहे किसी ज्वलंत सामाजिक विषय पर अपने विचार रखने से वह खुद को अगर रोक न पाएं तो हैरानी की बात नहीं।

(यह विचार लेखक के अपने हैं)

आखर-आखर झरे उजियार

सहिष्णुता के पर्याय और क्षमा मूर्ति : संत एकनाथ

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

गोपाल प्रभाकर
पत्रकार
@jagrukjanta.net

संत ज्ञानेश्वर, तुकाराम और नामदेव की परंपरा में महाराष्ट्र में एक संत और है जिसका नाम बड़े आदर से लिया जाता है. वो है संत एकनाथ का नाम। भागवत पर उनकी टीका महाराष्ट्र में घर घर पढ़ी जाती है।

संत एकनाथ एक धर्म परायण ब्राह्मण थे। नदी पर जाकर स्नान करना, संध्या पूजन और अपने प्रवचनों के माध्यम से लोगों में जागृति लाना, असहाय और निर्धन जन की सहायता करना उनकी दिनचर्या में सम्मिलित था। इससे उनकी समाज में प्रतिष्ठा बढ़ती देख ईर्ष्या ग्रस्त लोगों के मन में जलन हो गई।

एक प्रतिद्वंद्वी ब्राह्मण से ये नहीं देखा गया.एक दिन वो प्रतिदिन की तरह नहा कर लौट रहे थे, उसने उनको आते देखा और उन पर थूक दिया। एकनाथ बिना कुछ प्रतिक्रिया के नदी पर गए और फिर से नहा कर आ गए। उसने फिर उन पर थूका। वे फिर नहा कर आ गए। ये घटना सात बार दोहराई गई। पर, संत एकनाथ ने उसका कोई विरोध नहीं किया। उनका संयम, सदाचार एवं विनयशीलता देख कर वो चकित हो गया, लज्जित हो गया। अब उसे अपने आप पर क्रोध आने लगा। वो स्वयं को धिक्कारने लगा। वह संत एकनाथ के चरणों में गिर गया। कहने लगा, मैं आपका अपराधी हूँ। मुझे क्षमा करें। मैंने आपके साथ दुर्व्यवहार किया। मुझे सजा दीजिए। एकनाथ ने कहा, मैं तुम से बिल्कुल नाराज नहीं हूँ. तुमने मेरे साथ कोई बुरा व्यवहार नहीं किया है, बल्कि मैं तुम्हारा आभारी हूँ कि तुमने मुझे सात बार गंगा स्नान करने का पुण्य लाभ दिलवाया है।

एकनाथ महाराज की जगह कोई और होता तो अपने अपमान का बदला लेता। उन्होंने विनम्रता से उसे माफ कर दिया। सचमुच, सहिष्णुता के पर्याय और क्षमामूर्ति थे संत एकनाथ।

(ये लेखक के अपने विचार है)

सत्य दर्शन

।।श्री सद्गुरुदेव गोवर्धन पीठाधीश्वर श्री कृष्णदास कंचन महाराज।।

सत्य दर्शन के आधार श्रीसद्गुरु देव

वर्तमान समय में ब्रह्माजी का द्वितीय परार्ध, श्वेतवाराह नामक कल्प, वैवस्वत नाम का सातवां मनवन्तर, अठाइसवीं चतुर्युगी, कलियुग का प्रथम चरण चल रहा है। ईस्वी सन् 2025 में कलियुग को प्रारम्भ हुए 5125 वर्ष हो गए हैं। सृष्टि के एक अरब सत्तानवे करोड़ उनतीस लाख उनचास हजार एक सौ पच्चीस वर्ष बीत चुके हैं।

चौबीस गुरुओं की कथा

ब्रह्मवेत्ता दत्तात्रेयजी ने अपनी बुद्धि से चौबीस गुरुओं का आस्रय लिया उनसे शिक्षाग्रहण की और इस जगत में मुक्त भाव से अवधूत वृत्ति से रहते और सर्वत्र स्वच्छंद विचरण करते थे। उन्होंने किससे क्या शिक्षा पाई वह संक्षेप में इस प्रकार है:-

1. पृथ्वी : जिस प्रकार पृथ्वी अपने ऊपर सब प्रकार के आघात सहती है सब को क्षमा करती है उसी प्रकार धीर पुरुष को चाहिए न अपना धीरज खोवे और न क्रोध करे।

2. वायुः शरीर के भीतर रहने वाला प्राण वायु हमें शिक्षा देता है जितने कि हमें जीवन निर्वाह के लिए आवश्यक हो उतने ही विषयों का उपयोग करें। प्राण वायु आहार मात्र की इच्छा रखता है, श्वांस के जरिए अल्प मात्रा में वायु ग्रहण करता है और उसकी प्राप्ति से ही संतुष्टि हो जाती है। **क्रमशः**

ओपिनियन

हत्या की जांच बनाम सड़क सुरक्षा

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

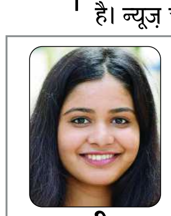

अनुजा श्रीवास्तव
फैलो रिसर्चर
@jagrukjanta.net

भारत में जब कोई हत्या होती है – ख़ासकर अगर मामला राजनीतिक, फ़िल्मी या सांप्रदायिक हो – तो पूरा देश मानो हिल जाता है। न्यूज़ चैनल दिन-रात कवरेज करते हैं, पुलिस तुरंत जांच में जुट जाती है, सोशल मीडिया पर बहस छिड़ जाती है, और कैंडल मार्च निकलते हैं। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि एक और "हत्यारा" हर दिन सैकड़ों लोगों की जान ले रहा है, और हम चुपचाप इसे स्वीकार करते जा रहे हैं? इस खामोश कातिल का नाम है – सड़क दुर्घटनाएँ। आंकड़े झूठ नहीं बोलते – लेकिन हम उन्हें नज़रअंदाज़ ज़रूर करते हैं। NCRB के अनुसार, 2022 में भारत में लगभग 29,000 हत्याएं दर्ज हुईं। हर मामला दुखद है और न्याय का हकदार भी।

अब तुलना कीजिए: उसी साल सड़क दुर्घटनाओं में 1.55 लाख से ज़्यादा लोग मारे गए। यानी हर दिन करीब 420 लोग। सिर्फ इसलिए क्योंकि कोई तेज़ चला रहा था, सड़क टूटी हुई थी, शराब पीकर गाड़ी चलाई गई, या हेलमेट नहीं पहना गया। सोचिए, अगर इतना नुकसान किसी आतंकी हमले या महामारी से होता, तो सरकार और मीडिया की प्रतिक्रिया क्या होती? हत्या को मिलती है सुर्खियाँ, सड़क मौतों को मिलता है मौन।

अगर कोई हाई-प्रोफाइल मर्डर हो जाएः

- विशेष जांच टीम (SIT) बनाई जाती है,
- पुलिस हर अपडेट मीडिया को देती है,
- नेता बयान देते हैं,
- समाज में गुस्सा और सहानुभूति की लहर दौड़ जाती है। लेकिन सड़क दुर्घटना? अगर कोई सेलिब्रिटी शामिल नहीं है, तो शायद लोकल अखबार में दो कॉलम भी न मिलें। मीडिया और समाज में भावनात्मक अपराधों को प्राथमिकता दी जाती है, जबकि संख्यात्मक त्रासदी को नज़रअंदाज़ किया जाता है। व्यवस्था की प्राथमिकता में असंतुलन

मर्डर केस में

- फोरेंसिक जांच होती है,
- कोर्ट केस सालों चलता है,
- गवाहों की सुरक्षा होती है।

वहीं, एक सड़क दुर्घटना

- 5-6 लोगों की जान ले सकती है,
- लेकिन कोई ठेकेदार, ट्रैफिक इंजीनियर या सरकारी अफसर ज़िम्मेदार नहीं ठहराया जाता। यानी, जहां अपराध स्पष्ट है, वहां न्याय मांगा जाता है, पर जहां लापरवाही है, वहां सब चुप हो जाते हैं।

कानूनी दृष्टिकोणःन्याय बनाम रोकथाम

- IPC की धारा 302 के तहत हत्या पर उम्रकैद या फांसी तक हो सकती है। संदेश साफ है – हत्या अस्वीकार्य है। अब देखिए सड़क सुरक्षा को। मोटर वाहन संशोधन अधिनियम, 2019 ज़रूर आया – जुर्माना बढ़ा, नियम सख्त हुए – लेकिन प्रभावी लागू कहां हुआ?
- हेलमेट आज भी "पुलिस दिखे तो पहन लो" वाली चीज़ है, फुटपाथ पर गाड़ियाँ दौड़ती हैं, और एंबुलेंस के इंतज़ार में लोग तड़पकर मर जाते हैं।

सड़क सुरक्षाः एक पब्लिक हेल्थ इमरजेंसी

- जब रोज़ 400 से ज़्यादा लोग सड़क पर मरते हैं, तो ये सिर्फ "यातायात विभाग" का मामला नहीं हो सकता। ये एक स्वास्थ्य और प्रशासनिक आपात स्थिति है।
- विदेशों में जैसे स्वीडन की Vision Zero नीति है – जिसमें सरकार, ट्रैफिक विभाग, स्वास्थ्य विभाग, और प्लानर सब मिलकर काम करते हैं – भारत को भी वैसे ही एक एकीकृत रणनीति की ज़रूरत है।

सिर्फ जुर्माना या हेलमेट पहनने की अपील से कुछ नहीं होगा, हमें चाहिएः

- ब्लैक स्पॉट्स की पहचान और सुधार,
- सड़क डिज़ाइन में मानवीय सोच,
- सड़क ठेकेदारों की जवाबदेही,
- और ट्रॉमा केयर सिस्टम का मज़बूत नेटवर्क।

मीडिया की ज़िम्मेदारी

मीडिया अगर हत्या के पीछे की मंशा को उजागर कर सकता है, तो उसे यह भी दिखाना चाहिए कि-

क्या हम असली खतरे को नज़रअंदाज़ कर रहे हैं?

- सड़क पर गड्ढा किसने छोड़ा?
- क्यों फुटओवर ब्रिज नहीं बना?
- और क्यों एक घायल को समय पर इलाज नहीं मिला?

जब हत्या पर आक्रोश जायज़ है, तो 420 सड़क मौतों पर चुप्पी अन्याय है।

अनदेखी का असली मूल्य

वर्ल्ड बैंक के मुताबिक, सड़क दुर्घटनाएँ भारत की GDP का लगभग 3% नुकसान करती हैं – जो लाखों करोड़ में जाता है।
फिर भी, जब बजट बनता है, तो सड़क सुरक्षा के लिए कोई अलग फंड नहीं होता।
सिर्फ इंफ्रास्ट्रक्चर बनाना विकास नहीं है – उसे सुरक्षित बनाना असली तरक्की है।
निष्कर्षः अब भारत को परिपक्वता दिखानी होगी
यह लेख किसी की पीड़ा को कम नहीं करता। हर जान अनमोल है – चाहे वह हत्या से गई हो या दुर्घटना से।
लेकिन यह ज़रूर पूछता है-
क्या हम अपने गुस्से, कवरेज और संसाधनों का सही दिशा में इस्तेमाल कर रहे हैं? मौत के बाद न्याय मांगना ज़रूरी है,
लेकिन मौत से पहले बचाव करना समझदारी है। अब वक्त है कि भारत मर्डर मिस्ट्री से आगे बढ़कर रोड सेफ्टी को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाए। क्योंकि चाहे गोली मारे या गड्ढा – जो जान गई, वह कभी वापस नहीं आती।

(ये लेखक के अपने विचार है)

मंसूरी अखिल भारतीय मंसूरी समाज संस्था के राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष

जयपुर @ जागरूक जनता। अखिल भारतीय मंसूरी समाज संस्था ने हाजी महबूब मंसूरी को राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है। इस नई जिम्मेदारी के लिए संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष शफी मोहम्मद ने उन्हें मनोनीत किया। नियुक्ति की सूचना मिलते ही हाजी महबूब मंसूरी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष शफी मोहम्मद का आभार व्यक्त किया और विश्वास दिलाया कि वे संगठन को मजबूत बनाने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे। उन्होंने कहा, "मैं समाज के उत्थान और संगठन की मजबूती के लिए तन-मन-धन से काम करूंगा। समाज की एकता, शिक्षा और रोजगार पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।" इस अवसर पर समाज के कई वरिष्ठ सदस्यों और कार्यकर्ताओं ने हाजी महबूब को बधाई दी और उम्मीद जताई कि उनके नेतृत्व में राजस्थान में मंसूरी समाज को नई दिशा मिलेगी। इस मौके पर नेशनल प्रेसिडेंट शफी मोहम्मद साहब,नेशनल सक्रेट्री मोहम्मद अली भाई, गुलाम रसूल साहब, हाजी सत्तार साहब, क़दीर मोहम्मद साहब एवं समाज के लोग बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

पंचांग

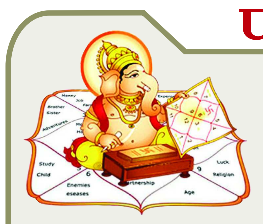

ज्योतिर्विद् अक्षय शास्त्री

साकेत पंचांग, अन्तरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता

जागरूक जनता पंचांग, नक्षत्र, तिथि, चौघड़िया

सूर्योदय-सूर्यास्त, तिथि

बुधवार, 02/07/2025

सूर्योदय : 05:41 **सूर्यास्त :** 19:20 **चन्द्रोदय :** 12:06 **चन्द्रास्त :** 24:07 **शक सम्वत :** 1947 विश्वावसु **विक्रम सम्वत :** 2082 कालयुक्त **अमान्ता महीना :** आषाढ़ा **पूर्णिमांत :** आषाढ़ा **सूर्य राशि :** मिथुन **चन्द्र राशि :** कन्या **पक्ष :** शुक्ल **तिथि :** सप्तमी, 12:01 तक **वार :** बुधवार **द्रिक ऋतु :** वर्षा **द्रिक अयन :** दक्षिणायण

नक्षत्र, योग, करण

नक्षत्र : उत्तर फाल्गुनी, 11:04 तक
योग : वरीघा, 17:42 तक
प्रथम करण : वणिजा, 12:01 तक
द्वितिय करण : विष्टि, 25:01 तक

शुभ समय

ब्रह्म मुहूर्त	04:07 ए एम से
प्रातः सन्ध्या	04:27 ए एम से
अभिजित मुहूर्त	कोई नहीं
विजय मुहूर्त	02:44 पी एम से
गोधूलि मुहूर्त	07:22 पी एम से
सायाह्न सन्ध्या	07:23 पी एम से
सर्वार्थ सिद्धि योग	11:07 ए एम से
निशिता मुहूर्त	12:05 ए एम, जुलाई 03

निवास और शूल

दिशा शूल : उत्तर में

राहु काल वास दक्षिण-पश्चिम में

होमाहुति : शुक्र

कुंभ चक्र: दक्षिण

चौघड़िया

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया
लाभ	: 05:40 - 07:22	उद्वेग : 19:19 - 20:37
अमृत	: 07:22 - 09:05	शुभ : 20:37 - 21:55
काल काल वेला	: 09:05 - 10:47	अमृत : 21:55 - 23:12
शुभ	: 10:47 - 12:30	चर : 23:12 - 00:30
रोग वार वेला	: 12:30 - 14:12	रोग : 00:30 - 01:47
उद्वेग	: 14:12 - 15:54	काल : 01:47 - 03:05
चर	: 15:54 - 17:37	लाभ : 03:05 - 04:22
लाभ	: 17:37 - 19:19	उद्वेग : 04:22 - 05:40

अमृत, शुभ, लाभ और चर को शुभ चौघडिया माना जाता है एवं उदवेग, काल एवं रोग को अशुभ चौघडिया माना जाता है।

आज सप्तमी

आज कौन सा कार्य करें

राज संबंधी कार्य (सरकारी कार्य), व्रतबंध, प्रतिष्ठा, विवाह, यात्रा, भूषणादि के लिए शुभ होते हैं। यात्रा, शिल्प, चूड़ा कर्म, अन्नप्राशन व गृह प्रवेश शुभ है। ऋण नहीं देना चाहिए।

बुधवार को क्या करें

बुधवार की प्रकृति चर और सौम्य मानी गई है। यह भगवान गणेश और दुर्गा का दिन है। कमजोर मस्तिष्क वालों को बुधवार के दिन उपवास रखना चाहिए।

ये कार्य करें :- सूखे सिंदूर का तिलक लगाएं। बुधवार को दुर्गा के मंदिर जाना चाहिए। पूर्व, दक्षिण और नैऋय दिशा में यात्रा कर सकते हैं। इस दिन जमा किए गए धन में बरकत रहती है। मंत्रणा, मंथन और लेखन कार्य के लिए भी यह दिन उचित है। ज्योतिष, शेयर, दलाली जैसे कार्यों के लिए भी यह दिन शुभ माना गया है।

यह कार्य न करें:- उत्तर, पश्चिम और ईशान में यात्रा न करें। बुधवार को धन का लेन-देन नहीं करना चाहिए। बुधवार को लड़की की माता को सिर नहीं धोना चाहिए, ऐसा करने से लड़की का स्वास्थ्य बिगड़ता है या उसके समक्ष कोई कष्ट आता है।

नोट : शुक्ल पक्ष में एक से पंचमी तक तिथियां अशुभ कही गई हैं, क्योंकि इन तिथियों में चंद्रमा क्षीण बल होता है और चंद्र बल उन दिनों नहीं रहने से कार्य सफल नहीं होते हैं। इसी प्रकार कृष्ण पक्ष की एकादशी से अमावस्या तक तिथियों में चंद्र बल क्षीण होने से शुभ कार्य नहीं करने चाहिए।

राशिफल

आषाढ़, शुक्ल, सप्तमी, 2082 बुधवार, 2 जुलाई - 8 जुलाई, 2025

मेष [चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ]
लम्बित मामलों के परिणाम आपके पक्ष में होने की सम्भावना है। व्यवसाय में सहयोगी आपके कार्यों से प्रसन्न रहेंगे। निर्माण कार्यों में आपको सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में कुछ बदलाव कर सकते हैं।

तुला [रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते]
संतान से पुराने मतभेद उभरने से पारिवारिक वातावरण अशान्त होगा। आर्थिक स्थिति बिगड़ने से कर्ज लेना पड़ सकता है। कार्य क्षेत्र पर आरंभिक बिक्री के बाद आज उदासीनता छायी रहेगी।

वृषभ [ई,उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो]
व्यापार में जिम्मेदारियाँ बढ़ सकती है। आपकी कर्तव्यनिष्ठा की प्रशन्सा होगी। मित्रों का सहयोग लेना हितकारी होगा। जो लोग आपके विरुद्ध थे, वे अचानक आपके पक्ष में आ सकते हैं।

वृश्चिक [तो,ना,नी, नू,या,यी,यू]
नौकरी पेशाओ को अतिरिक्त कार्य मिलने से असुविधा होगी काम लापरवाही से करेंगे। मित्रो के साथ बाहर घूमने का अवसर मिलेगा। ससुराल से लाभ होगा। पारिवारिक दायित्व बढ़ने से व्यस्तता रहेगी।

मिथुन [क, की,कु,घ, ड,छ,के,को,ह]
विदेश में कार्यरत लोगों को सम्मान मिल सकता है। व्यवसाय में रुके हुये कार्यों में सफलता मिलेगी। जॉब में बदलाव करने का विचार बनायेंगे। प्रेम सम्बन्धों में कुछ प्रतिकूलता रहेगी।

धनु [ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे]
नौकरीपेशा जातको को मेहनत का फल मिलेगा। विरोधियो पर विजय प्राप्त करेंगे। शुभ समाचार मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। साहित्यकार, लेखक एवं पत्रकारों के लिए सप्ताह विशेष लाभदायक रहेगा।

कर्क [हि, हु, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो]
कार्य क्षेत्र या घर में परिवर्तन अथवा साज सज्जा में बदलाव भी कर सकते है समाज के प्रतिष्ठित लोगो से सम्मान मिलेगा लेकिन आर्थिक लाभ थोड़ा विलम्ब से होगा। दाम्पत्य सुख उत्तम रहेगा।

मकर [भो, जा,जी, जू, खा, खू, गा, गी,]
परिजनों के साथ मित्रवत व्यवहार रहेगा। पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति के कारण खर्च बढ़ने से असहज अनुभव करेंगे। उधार से बचे। सेहत ठीक रहेगी। आलस्य का वातावरण रहेगा।

सिंह [मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टु, टे]
व्यवहार कुशलता व संतोषि स्वभाव से सम्मानित होंगे। उधारी वसूलने में परेशानी आ सकती है। घर में मेहमानों के आने से वातावरण आनंदित होगा। पारिवारिक खर्च बढ़ने से परेशानी भी होगी।

कुंभ [गू, गे, गो,सा, सी, सू, से, सो, दा]
नए कार्यो का आरंभ आज ना करें ना ही किसी को उधार दें। इसके बाद परिवार के सदस्यों का सहयोग मिलने लगेगा लेकिन घरेलू आवश्यकताओं को नजरअंदाज करने से अशांति बढ़ेगी।

कन्या [टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो]
मित्र परिजनों के साथ ज्यादा समय बिताना पसंद करेंगे। फिजूल खर्ची से बचें। शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहने से सप्ताह उत्साह पूर्ण रहेगा।

मीन [दी, दू, थे, झ, ञ, दे, दो, चा, चि]
आर्थिक लाभ के लिए अधिक प्रयत्न करना पड़ेगा मध्यान के समय किसी मनोकामना की पूर्ति होने से प्रसन्न रहेंगे।

आचार्य राजेश शास्त्री, जयपुर

अंतरराज्यीय सीमा के दुग्ध संघों के लिए बनेगी विशेष योजना

अब हर माह मिलेगी मुख्यमंत्री दुग्ध उत्पादक संबंल योजना की राशि

आरसीडीएफ व डेयरी संघों के 504 पदों के लिए आवेदन जल्द

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री दुग्ध उत्पादक संबल योजना के तहत अब दुग्ध उत्पादक पशुपालकों को हर महीने भुगतान मिलेगा। पशुपालन, डेयरी, गोपालन एवं देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत ने शासन सचिवालय में डेयरी विभाग की आयोजित समीक्षा बैठक में ये निर्देश दिए।

कुमावत ने इस योजना के तहत अटके हुए भुगतान को जल्द से जल्द जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि साल 2024-25 के लिए इस योजना में राज्य सरकार द्वारा 600 करोड़ रूपए का प्रावधान किया गया था, जिसे संशोधित कर 500 करोड़ रूपए किया गया। राज्य सरकार ने इसमें से 468.32 करोड़ रूपए जारी कर दिए हैं। इसमें से 12.27 करोड़ रूपए कोषागार, जयपुर में भुगतान हेतु लंबित है। इसके अलावा शेष 19.41 करोड़ रूपए का भुगतान ईआरपी सॉफ्टवेयर में प्रविष्टि के पश्चात कोषागार, जयपुर को प्रेषित कर दिया जाएगा।

कुमावत ने बताया कि वितीय वर्ष 2025-26 में योजना के अंतर्गत राज्य सरकार द्वारा 650 करोड़ रूपए का प्रावधान किया गया है। इसके विरूद्ध 164 करोड़ रूपए की स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है, जिसमें से 122.27 करोड़ रूपए के आदेश भी जारी किए जा चुके हैं। इसके बाद इसी सप्ताह दुग्ध उत्पादक पशुपालकों को जनवरी से मार्च-2025 तक का भुगतान हो जाएगा। अप्रेल, मई व जून माह का भुगतान भी जुलाई के अंत तक कर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि जुलाई माह से पशुपालकों को इस योजना के तहत दी जाने वाली राशि हर महीने नियमित मिलना शुरू हो जाएगी।

स्कूलों व आंगनबाड़ी केंद्रों की राशि भी जल्द मिलेगी

जोराराम कुमावत ने बताया कि पन्नाधाय बाल गोपाल योजना के तहत वितीय वर्ष-2025-26 के लिए प्रदेश के 66 हजार स्कूलों में मिड डे मील के तहत दिए जा रहे मिल्क पाउडर की सप्लाई का ऑर्डर आरसीडीएफ को प्राप्त हो गया है। इसकी आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। वर्ष-2024-25 में इन स्कूलों के लिए 7800 मीट्रिक टन मिल्क पाउडर की आपूर्ति की गई थी, जबकि इस बार पहले चरण में 3700 मीट्रिक टन पाउडर की आपूर्ति की जाएगी, जिससे प्रदेश के 60 लाख विद्यार्थियों को लाभ होगा। इसी तरह मुख्यमंत्री अमृत आहार योजना के तहत प्रदेश के 62 हजार आंगनबाड़ी केंद्रों के लगभग 10 लाख बच्चों के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर वितीय वर्ष-2025-26 में दूध वितरण के लिए 1400 मीट्रिक टन पाउडर की आपूर्ति पहले चरण में की जा रही है।

नगर पालिका प्रशासन की उदासीनता का खामियाजा वार्डवासियों को पड़ रहा हैं भारी

जयपुर @ जागरूक जनता। बगरू कस्बे के घटाला कॉलोनी वार्ड 9 के वार्डवासियों ने बताया कि नगर पालिका बगरू द्वारा मोहल्ले में नियमित रूप से साफ़ सफाई नहीं करने से जगह जगह कचरे के ढेर लगे हुए हैं वहीं बरसात के कारण पानी की जल निकासी नहीं होने के कारण कचरे के ढेर एवं गंदा पानी सड़को पर जमा होने से वार्डवासियों का जीना मुश्किल हो रहा है पर नगर पालिका प्रशासन ध्यान नहीं दे रही हैं। जबकि सरकार ने गंदगी को दूर करने के लिए करोड़ों रुपये खर्च करती हैं पर बगरू क्षेत्र के धरातल की कहानी बयां ओर कुछ ही कर रही हैं। मोहल्ले के लोगों ने बताया कि नगर पालिका प्रशासन ने यहां न तो नालियों का निर्माण कराया है और न ही टूटी सड़को की मरमत कही नालियों नहीं तो कही सड़के टूटी हुई हैं और इन्हीं का खामियाजा यहां की जनता को भारी पड़ रहा हैं पर यहां तो नगर पालिका प्रशासन से लेकर यहां के नेताओं तक कोई फ़र्क नही पड़ता हैं। बरसात के चलते ओर गंदगी होने के कारण एवं नियमित सफाई पर ध्यान नहीं देने से गंदे पानी पर मच्छरों की संख्या बढ़ रही हैं जिससे मलेरिया, डेंगू ओर भी मौसमी बीमारियों भी बढ़ने लग गई जिससे संक्रमण व गंभीर बीमारियों का खतरा भी बन रहा है। वार्डवासियों ने नगर पालिका प्रशासन से मांग की है कि नालियों के पानी की निकासी और नियमित साफ़ सफ़ाई हो ताकि होने वाली परेशानियों से बच सकें।

पार्षद राजवंशी के नेतृत्व में किया पौधरोपण

जयपुर @ जागरूक जनता। जनसेवक नगर निगम वार्ड 8 की पार्षद डॉ सुमन गुप्ता राजवंशी के नेतृत्व में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। राजवंशी ने विग्यप्ति जारी कर बताया कि इस दौरान सेक्टर 6 विद्याधर नगर थाने के पीछे, फुटपाथ पर, एलआईसी फ्लैट क्षेत्र में स्थानीय निवासियों के साथ पौधा रोपण किया गया। पौधा रोपण कार्य में विद्याधर नगर मंडल अध्यक्ष राकेश अग्रवाल, संजय सिरसला,अमित चोटिया, श्रवण नाटीया, सतीश जागा एवं सविता गोयल सहित आमजन ने भी उत्साह के साथ भाग लिया।

गौसेवा से बड़ा कोई धर्म नही-आईपीएस सोनवाल

सुंदरदास गोशाला में 1 ट्रक सुखा चारा भेंट कर किया पौधारोपण

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। सांगानेर डिग्गी मालपुरा रोड़ हाईवे स्थित निकटवर्ति ग्राम पंचायत जगन्नाथपुरा के रातल्या गांव में स्थित सुंदरदास गोशाला में रविवार को श्री श्याम मनुहार सेवा समिति जयपुर के तत्वाधान में मासिक गौ सेवा कार्यक्रम के तहत मुख्य अतिथि आइपीएस लोकेश सोनवाल एवं तपस्वी बाबा की अध्यक्षता में सुखे चारे की एक ट्रक भेंट की गयी। समिति के अध्यक्ष नारायण सिंह व सुमित सत्यम शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथियों द्वारा हरा चारा, गुड़ व सुखा चारा खिलाकर गौ सेवा की गयी। इस अक्सर कार्यक्रम में समिति के सदस्यों का प्रशस्ती पत्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मान भी किया गया। मुख्य अतिथि आईपीएस लोकेश सोनवाल ने संबोधित करते हुए कहा कि गौ माता की सेवा करना हमारी संस्कृति की पहचान है, और इस पुनीत कार्य में सहभागिता करना आत्मिक शांति का अनुभव कराता है, वही गोशाला परिसर में पौधारोपण भी किया गया जहाँ मौलश्री, चीकु, कदम्ब सहित अन्य पौधे भी लगाए गए। इस अवसर पर सिविल लाइन्स विधानसभा के जनसेवक रणजीत पंचोली, ओमप्रकाश शर्मा, रोशन शर्मा महंत मोरदास, दिनेश बागड़ा, कृष्ण शर्मा, शुभम लोदवाल, नाथुराम बैरवा, मनीष शर्मा, राम रतन शर्मा, राजेंद्र कुमार शर्मा, हरिनारायण गोठवाल, नरेंद्र सिंह भाटी, जगदीश सैनी सहित समिति के सदस्य मौजुद थे।

निर्बाध डीपीएनजी वितरण के लिए होगी वैकल्पिक लूप व्यवस्था, कंजूमर फ्रैण्डली जीआईएस एप से मॉनिटरिंग

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। आरएसजीएल के प्रबंध संचालक रणवीर सिंह ने कहा है कि राजस्थान स्टेट गैस के कार्यक्षेत्र व कार्यस्थल पर सुरक्षा मानकों की सख्ती से पालना सुनिश्चित करने के साथ ही समय समय पर मौक डील आदि के माध्यम से परीक्षण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि उपभोक्ताओं के हितों को ध्यान में रखते हुए जियोग्राफिकल इंफोरमेशन सिस्टम एप विकसित किया गया है जिससे उपभोक्ताओं से जुड़ी आवश्यक जानकारी परस्पर साझा की जा सकेगी। इसके साथ ही व्यवस्था की निगरानी व मॉनिटरिंग में भी इस सिस्टम की महत्वपूर्ण व्यवस्था होगी। उन्होंने कहा कि जीआईएस एप पूरी तरह से कंजूमर फ्रैंडली बनाया गया है। एमडी रणवीर सिंह आरएसजीएल के कूकस, नीमराना, कोटा के अधिकारियों व कार्मिकों के साथ वर्चुअल संवाद कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सुरक्षा मानकों की पालना में किसी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने विपरीत परिस्थिति में उपभोक्ताओं को तत्काल डीपीएनजी का वितरण बहाल किया जा सके इसके लिए वैकल्पिक लूप व्यवस्था की संभावना तलाशने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उपभोक्ताओं को बेहतर सेवाएं हमारी पहली प्राथमिकता होगी। रणवीर सिंह ने कहा कि जीआईएस एप से लाईन में अवरोध की तत्काल जानकारी के साथ ही उपभोक्ताओं को भी संदेश देने की व्यवस्था भी की गई है। उन्होंने एमडीईपी पाइप लाइनों में भी समय समय पर गैस रिसाव की जांच करने के निर्देश दिए।

राधा गोविन्द पब्लिक चैरिटेबल ट्रस्ट को मिला भामाशाह सम्मान

जयपुर @ जागरूक जनता। जगद्गुरु श्री कृपालु जी महाराज कि प्रचारिका सुश्री श्रीधरी दीदी द्वारा जयपुर में संचालित 'राधा गोविन्द पब्लिक चैरिटेबल ट्रस्ट 'को 'जयपुर जिला स्तरीय भामाशाह सम्मान समारोह - 2025' में प्रारंभिक शिक्षा विभाग (राजस्थान सरकार) द्वारा अभिनन्दन स्वरूप 'शिक्षा श्री 'प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया। शिक्षा के क्षेत्र में 'राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, नेवटा (सांगानेर, जयपुर) के लिये ट्रस्ट द्वारा प्रदत्त विशेष सहयोग के लिये ये प्रशस्ति -पत्र प्रदान किया गया जिसे ट्रस्ट के प्रमुख सदस्य राजीव सोनी ने ग्रहण किया। सुश्री श्रीधरी दीदी जी की अध्यक्षता में यह ट्रस्ट कई वर्षों से समाज के आध्यात्मिक एवं भौतिक उत्थान के लिये प्रयत्नशील है। दीदी जी का संकल्प है आगे भी इसी प्रकार ट्रस्ट द्वारा जनकल्याणकारी सेवायें यथासंभव संपन्न होती रहेंगी।

सनातन धर्म बोर्ड गठन के साथ गोचर ओरण भूमि बचाने की सरकार से की मांग

गौमाता सेवक समिति परिवार ने नियमित गौसेवकों का किया सम्मान

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जोबनेर। गोमाता सेवक समिति परिवार एवं सभी गौसेवकों गौभक्तों ने आषाढ़ मास कृष्ण पक्ष पितृ अमावस्या पर्व पर 49वां गोसेवा कार्यक्रम श्री शिव गोधाम (गौशाला) ढाणी बोराज जोबनेर जयपुर में आयोजित किया गया शुरुआत में गोपूत्र ज्योतिर्विद पंडित मानस संजय मिश्र ने सूर्य देव की साक्षी में भगवान् गणेश राधाकृष्ण पूजन, शिव परिवार पूजन, वेदलक्षणा गौमाता पूजन पितृ तर्पण पूजन, गोमाता पूजन के साथ सामुहिक हनुमान चालीसा का पाठ एवं दिव्य गोमाता कृपा आरती के बाद श्री गौशाला के नियमित गौसेवकों नये जुड़े गौसेवकों को दुपट्टा दक्षिणा प्रदान कर अभिनंदन सम्मान किया गया। इस अवसर पर गोपूत्र ज्योतिर्विद पंडित मानस संजय मिश्र एवं कमल प्रजापत ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी गौसेवकों एवं श्रद्धालुओं को गौमाता को राष्ट्रमाता देश को हिन्दू राष्ट्र एवं सनातन धर्म बोर्ड घोषित करवाने का अखण्ड संकल्प दिलाकर शासन प्रशासन सरकार से गौरक्षा गोचर ओरण भूमि बचाने की मांग की।

इस अवसर पर गोचर ओरण संरक्षक संघ राजस्थान के प्रदेश प्रवक्ता एडवोकेट हेमंत सिंघवी एवं सचिव ललित मेघराज जैन कातरेला ने गोचर ओरण भूमि बचाने पर व्याख्यान दिया साथ ही गौमाता सेवक समिति परिवार की तरफ से श्री शिव गोधाम में सुखा चारा, 501 पुली हरा चारा, गुड़ के कार्टून, चार तगारी दो फावड़े, 5 पेड़ वृक्षारोपण, पंछीयो के लिए 15 दाना पात्र एवं परिण्डे, कीड़ी नगरा शिव गोधाम के विकास के लिए 21 हजार रूपए का चैक गोपाल यादव को प्रदान किया। साथ ही 5100 रूपए का चैक श्रीकृष्ण गोसेवा समिति गोरक्षा दल बोराज के संचालक केशवानंद को प्रदान किया । समापन पर सामुहिक प्रसादी ग्रहण कर उपस्थित सभी गौसेवकों एवं श्रद्धालुओं का आभार प्रकट किया। इस अवसर पर भंवर, रामचंद्र, विनोद, महेंद्र, बजरंग लाल प्रजापत, मनीष गुप्ता, महेश अग्रवाल, जगदीश मोदी, मनीष, मोहन, रवि एवं समस्त ग्रामवासी गणमान्य लोग उपस्थित थे।

महाराजा श्री दक्ष प्रजापति जयंती पर महोत्सव सम्मान समारोह का पोस्टर विमोचन

जयपुर @ जागरूक जनता। सांगानेर आज प्रजापति सभा भवन में मीटिंग हुई। समारोह में समाज को नई दिशा देने हेतु सामाजिक विकास, राजनैतिक विकास, सामाजिक एकता के साथ ही समाज के सभी मुद्दों पर विचार-विमर्श चिंतन किया जाएगा समाज के विकास में सक्रिय भागीदारी निभाने व राजनैतिक क्षेत्र युवा साथी व सम्मानीय पार्टी पदाधिकारी आयोजन में पधारकर समाज को अपने विचार अवगत करवायें गुरुवार 10 जुलाई को सुबह 8.00 बजे से दक्ष प्रजापति जयंती एवं प्रतिभा सम्मान समारोह गुरु पूर्णिमा के दिन कलश यात्रा सुबह 8.15 से शीतला माता मंदिर दुर्गापुरा से होकर गौशाला राजस्थान गौ सेवा संघ, सभागार गौशाला दुर्गापुरा जयपुर में आयोजित किया जाएगा। सयोंजक- धर्मेन्द्र प्रजापति, कैलाश मुहाना, दयाल मुंबई, रोहित, जयराम, लक्ष्मीनारायण, लक्ष्मण, मनीष, अशोक, राकेश, चंद्र, लगभग सो समाज बंधु उपस्थित रहे।

वैज्ञानिकों की चेतावनी

अगले 100 वर्षों में 500 से अधिक पक्षियों की प्रजातियां विलुप्त हो सकती हैं

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक आवासों के नष्ट होने की वजह से आने वाले 100 वर्षों में 500 से ज्यादा पक्षियों की प्रजातियां विलुप्त हो सकती हैं।

नई शोध में यह पाया गया कि अगर इंसानों द्वारा किए जा रहे नुकसान को पूरी तरह रोक भी दिया जाए, तो भी लगभग 250 प्रजातियाँ विलुप्त होने के कगार पर हैं।

यूनिवर्सिटी ऑफ़ रीडिंग की शोधकर्ता केरी स्टीवर्ट ने कहा, "कई पक्षी इतने संकट में हैं कि सिर्फ इंसानी दखल को रोकने से उनकी रक्षा नहीं की जा सकती। उन्हें बचाने के लिए विशेष प्रयास, जैसे प्रजनन कार्यक्रम और आवास पुनर्स्थापना, ज़रूरी हैं।" शोध में पाया गया कि बड़े आकार वाले पक्षी शिकार और जलवायु परिवर्तन से ज्यादा प्रभावित होते हैं, जबकि चौड़े पंखों वाले पक्षी अपने आवास खोने की वजह से ज्यादा संकट में हैं।

यूके (ब्रिटेन) की कुछ प्रजातियां भी खतरे में हैं, जैसे:

» एटलांटिक पफिन, जो यूके के तटों पर देखा जाता है
» ग्रेट बस्टर्ड, दुनिया का सबसे भारी उड़ने वाला पक्षी
» बैलेरिक शीयरवॉटर, जिसकी केवल 5,800 की संख्या बची है

कुछ अन्य दुर्लभ पक्षी, जो प्रवास के दौरान यूके में रुकते हैं, जैसे-

» सोशिएबल लैपविंग
» येलो-ब्रेस्टेड बंटिंग भी विलुप्ति के खतरे में हैं।

अन्य संकटग्रस्त पक्षियों में शामिल हैं:-

» हेल्मेटेड हॉर्नबिल, जिसके सिर पर सख्त भाग होता है और नर पक्षी इसे आपसी संघर्ष में इस्तेमाल करते हैं।
» बेर-नेक्ड अम्ब्रेला बर्ड, जो कोस्टा रिका के जंगलों में पाया जाता है।
» येलो-बेलिड सनबर्ड-असिटी, जो मेडागास्कर में पाया जाता है।
» इटोम्बवे उल्लू, जो अफ्रीका के जंगलों में रहता है।
» इम्पीरियल वुडपेकर, जो मैक्सिको में पाया जाता है और अब संभवतः विलुप्त हो चुका है।

शोधकर्ताओं ने यह भी बताया कि संरक्षण कार्यों को किस तरह प्राथमिकता दी जाए ताकि अधिकतम प्रजातियां और उनके पर्यावरणीय योगदान बचाए जा सकें। प्रोफेसर मैनुएला गोंजालेज़-सुआरेज़ ने कहा, "सिर्फ खतरे रोकने से काम नहीं चलेगा। लगभग 250-350 प्रजातियों को अतिरिक्त प्रयासों की जरूरत है, जैसे प्रजनन कार्यक्रम और आवास पुनर्निर्माण।"

उन्होंने बताया कि अगर सिर्फ 100 सबसे अनोखी और संकटग्रस्त प्रजातियों को बचाया जाए, तो पक्षियों की विविधता का 68% हिस्सा संरक्षित किया जा सकता है।

शोध में निष्कर्ष निकाला गया कि प्राकृतिक आवासों को नष्ट होने से रोकना सबसे ज़रूरी कदम है। इसके अलावा शिकार कम करना और अनजाने में होने वाली मौतों को रोकना भी विशेष रूप से उपयोगी रहेगा।

यह अध्ययन प्रसिद्ध विज्ञान पत्रिका नेचर इकोलॉजी एंड एवोल्यूशन में प्रकाशित हुआ है।

संबंधित जानकारी: हाल ही हुए एक सर्वे में पाया गया कि ब्रिटेन के बागों में स्टार्लिंग पक्षियों की संख्या 1979 से अब तक 85% घट चुकी है, जबकि वुडपिजन की संख्या 1160% तक बढ़ी है।

धातु प्रदूषण का खतरा: सीसा (lead), जिंक और आयरन जैसे धातु पक्षियों में ज़हर पैदा कर सकते हैं। इससे उन्हें प्यास लगती है, पानी उगलना, कमजोरी, कंपकंपी और अंगों को नुकसान जैसी समस्याएं होती हैं।

भारत की विविधतापूर्ण संस्कृति का अनूठा केंद्र है अलाप्पुझा। बैकवाटर्स पर्यटन, यहीं नहीं पूरे केरल की पहचान है। यहां का मोहक प्राकृतिक सौंदर्य, इसकी ऐतिहासिक-सांस्कृतिक विशिष्टता में चार चांद लगा देता है। यही वजह है कि मानसून में इस जगह का आनंद लेने के लिए दुनिया भर से पर्यटक आते हैं।

इस मानसून में घूम आएं भारत के वेनिस अलाप्पुझा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

कोई शहर छोटा हो या बड़ा या चाहे कोई कस्बा ही क्यों न हो, हर शहर, हर महानगर और हर कस्बे की अपनी एक निजी पहचान, एक निजी विशेषता होती है, जो हर दूसरी जगह से अलग होती है। यही उस जगह की पहचान होती है, उसका लैंडमार्क कहलाता है। भारत के वेनिस कहे जाने वाले शहर अलाप्पुझा को 'बैकवाटर्स का स्वर्ग' कहा जाता है। यही यहां का लैंडमार्क माना जाता है।

घूमने के लिए बारिश है बेस्ट: भारत दुनिया के उन गिने-चुने देशों में से एक है, जहां हर मौसम के लिए विशिष्ट पर्यटन क्षेत्र को मुफीद माना जाता है। अगर भारत के पहाड़, गर्मियों में घूमने के लिए स्वर्ग हैं और भारत के समुद्रतट सर्दियों की गरमाइश भरी पसंदीदा जगहें हैं तो मानसून में घुमक्कड़ी का लुत्फ लेने के लिए केरल, पर्यटन का स्वर्ग कहा जाता है। लेकिन इस केरल में भी एक खास पर्यटन क्षेत्र है, अलेप्पी या अलाप्पुझा जिसे भारत के बैकवाटर्स का स्वर्ग कहा जाता है। इसे पूर्व का वेनिस भी कहते हैं। यहां के हाउसबोट (कुट्टनाड क्षेत्र में) पूरी दुनिया में प्रसिद्ध हैं।

इसलिए अलाप्पुझा है विशिष्ट: केरल में यूं तो पूरे प्रदेश में ही बैकवाटर्स के अदभुत नजारे हैं- झीलें, नहरें, नदी तंत्र और तटीय लैगून ये सब मिलकर केरल को एक अद्भुत जल प्रदेश बनाते हैं। लेकिन केरल में भी जिस शहर को बैकवाटर्स स्वर्ग के नाम से जानते हैं, वो है- अलेप्पी या अलाप्पुझा। आज के अलाप्पुझा को अंग्रेजों के जमाने में अलेप्पी कहा जाता था। यह केरल के ऐतिहासिक नगरों में से एक है और इसे भारत के वेनिस होने का दर्जा हासिल है। अलेप्पी भारत के बैकवाटर्स का स्वर्ग माना जाता है। इसकी प्रसिद्धि यहां की सुंदर झीलों और जलमार्गों तक ही सीमित नहीं है बल्कि इसका एक गहरा ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व भी है।

भौगोलिक स्थिति भी है अलग: अलेप्पी

की भौगोलिक स्थिति भी इसे भारत का एक विशिष्ट शहर बनाती है। यह ऐतिहासिक शहर अरब सागर के किनारे स्थित है और इसके आस-पास की जमीन नदियों, नहरों, लैगून और झीलों से अटी पड़ी है। इस क्षेत्र को पहले कुट्टनाड के नाम से भी जाना जाता था, जो चावल की खेती और अपने जल परिवहन के लिए सदियों से प्रसिद्ध रहा है।

कम नहीं ऐतिहासिक महत्ता: प्राचीनकाल में यह क्षेत्र केरल के चेर साम्राज्य के अधीन था, तब यहां के राजा जलमार्गों को नियंत्रण करते थे, जो व्यापार के मुख्य साधन थे। दक्षिण भारत के अन्य भागों से मसालों, नारियल और अन्य उत्पादों का आदान-प्रदान इन्हीं जलमार्गों के जरिए होता था। लेकिन 18वीं और 19वीं शताब्दी में अलेप्पी एक प्रमुख बंदरगाह शहर के रूप में विकसित हुआ। जब केरल के प्रमुख बंदरगाह कोंडुगल्लरू में बाढ़ और भू-स्खलन के कारण व्यापार पूरी तरह से बाधित हुआ, तब तत्कालीन त्रावणकोर के राजा मार्तंड वर्मा और उनके उत्तराधिकारियों ने अलेप्पी को नया व्यापारिक केंद्र बनाने का निर्णय लिया। राजा मार्तंड वर्मा और उनके दीवान वेल्लुथंपी की इसमें निर्णायक भूमिका थी। उन्होंने यहां कृत्रिम नहरों और जलमार्गों का जाल बिछवाया ताकि नौकाओं और व्यापारिक जहाजों को यहां प्रवेश में सुविधा हो। यही वह समय था, जब अलेप्पी को भारत का वेनिस कहा जाने लगा। अलेप्पी धीरे-धीरे कपड़ों, मसालों, नारियल और चावल का प्रमुख निर्यातक केंद्र बन गया।

पहचान हैं अनोखी हाउसबोट्स: बैकवाटर्स यानी झीलों, नहरों और समुद्र से बने जलमार्ग, यही तो अलेप्पी की आत्मा है। यहां की प्रमुख झील वेंबनाड झील है, जो भारत की सबसे बड़ी मीठे पानी की झीलों में से एक है। जब अलेप्पी का धीरे-धीरे बैकवाटर्स पर्यटन केंद्र के रूप में विकास होने लगा, तो यहां बड़े पैमाने पर पारंपरिक हाउसबोट, जिन्हें मलयालम भाषा में कैटूवल्लम कहा जाता है, विकसित होने लगे। ये कैटूवल्लम एक जमाने में बड़ा सा जहाज हुआ करता था, जिसने बाद में आधुनिक हाउसबोट का रूप ले लिया। आज अलेप्पी की पहचान इन्हीं हाउसबोट की वजह से है। अलेप्पी के ये हाउसबोट लकड़ी, नारियल की रस्सियों और केले के पेड़ों के पारंपरिक साधनों से बने होते हैं। इनमें अद्भुत स्थानीय कलाकारी को विभिन्न कलाकृतियों के रूप में देखा जा सकता है। अपनी इन्हीं खूबियों के कारण आज अलेप्पी भारत में ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया के लग्जरी पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित हुआ है।

टूरिस्ट सेंटर के रूप में विकसित: सन 1990 के दशक में अलेप्पी को नए सिरे से एक बैकवाटर्स पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित किया गया। केरल की सरकार और यहां के स्थानीय लोगों ने पारंपरिक नावों को पर्यटकों के लिए हाउसबोट में बदला और आज अलेप्पी हाउसबोट टूरिज्म, आयुर्वेदिक स्पा, बर्ड वाचिंग और फिशिंग विलेज विजिट जैसी पर्यटन गतिविधियों के लिए पूरी दुनिया में जाना जाता है। अलेप्पी के बैकवाटर्स का अनुभव केवल एक सौंदर्य नहीं बल्कि स्थानीय जीवनशैली, भोजन, जल परिवहन और प्रकृति के संतुलन को महसूस कराने वाली संस्कृति है। इसीलिए अलेप्पी को केरल के बैकवाटर्स का स्वर्ग कहते हैं।

होता है हर वर्ष बोट्स रेस का आयोजन

हर साल अगस्त माह में यहां पुनमड़ा झील में नेहरू ट्रॉफी बोट रेस आयोजित होती है, जिसमें सैकड़ों लोग चुंढवल्ली यानी सांप जैसी मुंह वाली लंबी नावों पर सवार होकर रेस में शामिल होते हैं। यह रेस केवल खेल नहीं होती बल्कि केरल की समृद्ध संस्कृति का एक अनोखा उत्सव है। यह रेस 1952 में भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की यहां यात्रा के दौरान आरंभ हुई थी।

हाल में ही कश्मीर स्थित चिनाब नदी पर बने चिनाब ब्रिज की डिजाइन और तकनीकी विशेषताओं ने इसे दुनिया भर में चर्चा का विषय बना दिया है। इस ब्रिज की विशेषताओं पर एक नजर।

इंजीनियरिंग का नायाब नमूना चिनाब ब्रिज

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

हाल ही में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जम्मू-कश्मीर में नवनिर्मित चिनाब पुल का उद्घाटन किया। यह (चिनाब पुल) दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे पुल है।

ब्रिज की खासियतें: चिनाब ब्रिज स्टील और कंक्रीट से बना आर्च ब्रिज है, जो रियासी जिले के बक्कल और कौरी गांवों को जोड़ता है। इसकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह नदी के तल से 359 मीटर (लगभग 1,178 फीट) ऊंचा है। यानी यह पेरिस के मशहूर एफिल टॉवर से 35 मीटर और दिल्ली की कुतुब मीनार से करीब 5 गुना ऊंचा यानी कि 287 मीटर ऊंचा है। यह 266 किमी प्रति घंटे तक की हवा की गति का सामना कर सकता है। यह ब्रिज भूकंपीय क्षेत्र पांच में स्थित है इसलिए इसे इतना मजबूत बनाया गया है कि रिक्टर स्केल पर 8 तीव्रता के भूकंप को भी सहने में सक्षम है। यही नहीं इसे 40 टन टीएनटी के बराबर विस्फोट सहने में सक्षम बनाया गया है। इसमें ऐसे खास जंगरोधपेंट का इस्तेमाल किया गया है, जो इसे 20 साल तक जंग से बचाएगा। पुल में ऐसी तकनीक स्थापित की गई है कि कोई भी खतरा होने पर वार्निंग अलार्म खुद ही बजने लगेगा। पुल में 112 सेंसर लगाए गए हैं, जो हवा की गति, टेंपरेचर और कंपन आदि की जानकारी देंगे।

चिनाब ब्रिज : दुनिया का सबसे बड़ा आर्च ब्रिज

सवा सौ साल है उम्र: 1315 मीटर लंबा यह ब्रिज, उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेलवे लिंक (272 किमी. लंबा) प्रोजेक्ट का हिस्सा है। इस पुल का निर्माण 1486 करोड़ की लागत से किया गया है। इस ब्रिज की नींव 2003 में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने रखी थी। इसके निर्माण में 22 साल लगे और इसकी अनुमानित उम्र 120-125 साल है।

निर्माण में प्रयुक्त सामग्री: जानकारी के मुताबिक, इस ब्रिज को बनाने में 28,660 से 30,000 मीट्रिक टन स्टील का इस्तेमाल किया गया है। इसके साथ ही 46,000 क्यूबिक मीटर कंक्रीट का भी यूज हुआ है। इसके निर्माण में 6 लाख से ज्यादा नट बोल्ट भी यूज किए गए हैं। यह भी काबिले-तारीफ है कि इस पुल को बनाने में नदी के प्रवाह में अवरोध नहीं पहुंचाया गया है, नदी में कोई पिलर नहीं लगाया गया है, बल्कि इसे आर्च तकनीक से बनाया गया है। इस पुल को किसी हमले से बचने के लिए ब्लास्ट प्रूफ स्टील से तैयार किया गया है। इस ब्रिज के निर्माण में डीआरडीओ की अचूक प्लानिंग शामिल रही है। इसे बनाने के लिए उत्तर रेलवे के साथ कोंकण, अफकान और केआरसीएल ने काम किया। इसके साथ ही भारतीय भौगोलिक सर्वेक्षण जैसी संस्थाएं भी जुड़ी रहीं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार इसमें आईआईटी रुड़की और आईआईटी दिल्ली ने भी अपना योगदान दिया है।

कई तरह से महत्वपूर्ण: यह अनोखा पुल न सिर्फ कश्मीर घाटी को पूरे भारत से जोड़ेगा, बल्कि क्षेत्र में व्यापार, पर्यटन और औद्योगिक विकास को भी नई गति देगा। चिनाब ब्रिज, दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे आर्च ब्रिज है। चिनाब रेलवे ब्रिज को बनाने में भले ही 22 साल लगे हों, लेकिन अब इसके शुरू होने के बाद कश्मीर घाटी और जम्मू के बीच सीधा रेल रास्ता बन जाएगा। यह पहली बार होगा जब लोग कन्याकुमारी से सीधे ट्रेन के जरिए कश्मीर घाटी तक जा सकेंगे। यह ब्रिज भी अपने आप में एक आकर्षक टूरिस्ट डेस्टिनेशन बन गया है। इससे देश की सैन्य ताकत को भी कहीं न कहीं सपोर्ट मिलेगा, क्योंकि बर्फबारी के दिनों में कई बार कश्मीर से संपर्क कट जाता था। साथ ही कई क्षेत्रों में आपात स्थिति में सेना को अपनी मूवमेंट में इस बर्फबारी के समय काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ता था। अब चिनाब रेलवे ब्रिज के निर्माण से हर मौसम में कश्मीर पहुंचना सेना के लिए आसान हो जाएगा। साथ ही जम्मू-कश्मीर आने वाले पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र होगा यह अनोखा चिनाब ब्रिज।

पास में है अनोखा अंजी ब्रिज

6 जून 2025 को ही चिनाब पुल का उद्घाटन करने के बाद प्रधानमंत्री ने इसी रेल ट्रैक पर बने अंजी ब्रिज का भी लोकार्पण किया। यह देश का पहला ऐसा रेलवे ब्रिज है, जो केबल स्टेंड तकनीक पर बना है। रिपोर्ट्स के अनुसार यह पुल नदी तल से 331 मीटर की ऊंचाई पर बना है। 1086 फीट ऊंचा एक टावर इसे सहारा देने के लिए बनाया गया है, जो करीब 77 मंजिला बिल्डिंग जितना ऊंचा है। यह ब्रिज अंजी नदी पर बना है, जो रियासी जिले के कटरा को बनिहाल से जोड़ता है। चिनाब ब्रिज से इसकी दूरी महज 7 किमी है। इस पुल की लंबाई 725.5 मीटर है। इसमें से 472.25 मीटर का हिस्सा केबल्स पर टिका हुआ है।

शारीरिक-आर्थिक सेहत सुधारे सेब

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

भारत में सेब अभिजात्य फलों में से एक माना जाता है। डॉक्टर भी हर किसी को, रोगों से बचने के लिए रोज एक सेब खाने की सलाह देते हैं। सेब के स्वास्थ्य संबंधी फायदों की वजह से इसकी मांग हमेशा, हर मौसम में बनी रहती है। यही कारण है कि सेब प्रायः महंगा ही बिकता है। जाहिर है, सेब की खेती आर्थिक दृष्टि से किसानों के लिए भी बहुत फायदेमंद होती है।

कहां होती है सेब की खेती: भारत में सेब के पेड़ मुख्यतः पर्वतीय और ठंडी जलवायु वाले इलाकों में उगते हैं। लेकिन जलवायु परिवर्तन और कृषि क्षेत्र में हुए तमाम तकनीकी उन्नति के कारण अब सेब मैदानी राज्यों में भी किसानों द्वारा उगाया जा रहा है। देश में पारंपरिक रूप से सेब का उत्पादन हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, उत्तराखंड, अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड और सिक्किम जैसे राज्यों के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में सदियों से होता रहा है। लेकिन अब हिमालय से सटे मैदानी राज्यों जैसे- पंजाब, हरियाणा और मध्य प्रदेश के कुछ जिलों में भी सेब की कुछ प्रजातियां उगाई जा रही हैं।

सेहत के लिए गुणकारी: सेब में कई तरह के विटामिंस, मिनरल्स, एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं। यह अनेक रोगों से बचाता है और शरीर को पोषण देता है। कहावत भी है कि रोज एक सेब खाइए, रोगों से दूर रहिए।

किसानों के लिए फायदेमंद: सेब एक नकदी फसल है। यह किसान के लिए ही आर्थिक सहायता नहीं पहुंचाता, बल्कि आम कृषि मजदूरों के लिए भी रोजगार के अवसर पैदा करता है। सेब की बागवानी में पौधा रोपण से लेकर उसकी कटाई, छंटाई, ग्रेडिंग, पैकिंग और परिवहन तक में कई लोगों को रोजगार मिलता है।

अनुमानित आमदनी: सेब का बगीचा 5 से 7 साल में फल देना शुरू कर देता है। सेब के एक पेड़ से किसान को हर साल 100 से 200 किलो फल मिल जाते हैं। औसतन एक हेक्टेयर सेब का बगीचा हर साल लगभग 15 टन उपज देता है, जिससे किसान को सारे खर्च निकालकर 10 से 15 लाख रुपए तक का फायदा हो सकता है। लेकिन इसके लिए पहले किसान को हर साल सेब के बागीचे में 4 से 5 लाख रुपए खर्च करने पड़ते हैं। बाजार चाहे कितना भी डाउन हो, सेब की खेती किसानों को फायदा ही पहुंचाती है।

बुरे सपनों को दूर रखे लकी चार्म ड्रीम कैचर

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

आपने गिफ्ट शॉप, ऑनलाइन शॉपिंग साइट्स या छोटे बच्चों के पालने पर लगे ड्रीम कैचर्स जरूर देखे होंगे। यह एक छोटा सा वृत्ताकार फ्रेम (हूप) होता है, जिसमें मकड़ी के जाल की तरह धागों से बुनी हुई आकृति होती है, कुछ मोती होते हैं और पंख (फेदर्स) लटके हुए होते हैं। यह सिर्फ सजावट की वस्तु नहीं है, इसे वास्तुशास्त्र में भी महत्वपूर्ण माना जाता है।

कैसे हुई शुरुआत: ड्रीम कैचर का आविष्कार करने का श्रेय अमेरिकी जनजाति ओजिब्वे (चिप्पेवा) के लोगों को जाता है। इस जनजाति के लोग कनाडा और नॉर्थ अमेरिका के कुछ क्षेत्रों में रहते हैं। ओजिब्वे जनजाति के लोगों की मान्यता थी कि उनके सभी बच्चों और बड़ों की सुरक्षा असिबाइकाशी नामक एक रहस्यमयी स्पाइडर वूमेन करती है। जब इस जनजाति के लोगों की आबादी बढ़ने लगी और वे दूर-दूर तक जाकर रहने लगे, तो असिबाइकाशी ने स्पाइडर वेब के साथ एक जादुई यंत्र/ताबीज तैयार किया और अपने-अपने परिवार के सदस्यों की सुरक्षा के लिए ओजिब्वे समुदाय की महिलाओं को भी यह यंत्र बनाना सिखाया। उस यंत्र को ही आज वास्तु और फेंगशुई की दुनिया में 'ड्रीम कैचर' के नाम से जाना जाता है।

तेजी से हुआ पॉपुलर: ओजिब्वे जनजाति के लड़के और लड़कियों के विवाह में अन्य वस्तुओं के साथ ड्रीम कैचर्स का भी आदान-प्रदान किया जाने लगा। नतीजतन ड्रीम कैचर का प्रचलन दूसरी जनजातियों, जैसे लकोटा जनजाति आदि में भी बढ़ने लगा। धीरे-धीरे ड्रीम कैचर विभिन्न अमेरिकी जातियों/समुदायों के साथ-साथ अन्य सभ्यताओं-संस्कृतियों में भी लोकप्रिय होने लगा।

ड्रीम कैचर के पार्ट्स: ड्रीम कैचर में मुख्य रूप से एक वृत्त, धागों से बुना जाल, बीड और फीदर्स होते हैं। हर तत्व का अपना महत्व और प्रतीक है।

जीवन चक्र का प्रतीक वृत्त (हूप): यह हमारे जीवन चक्र का प्रतीक माना जाता है। यह भी मान्यता है कि यह वृत्त सूर्य और चंद्र का प्रतिनिधित्व करता है।

बुरे सपनों को ट्रैप करता जाल (वेब): जैसे मकड़ी अपने जाल में शिकार फंसा लेती है, वैसे ही ड्रीमकैचर का वेब बुरे सपनों को जाल में फंसा लेता है। बीचों-बीच जो छेद होता है, वह अच्छे सपनों के प्रवेश द्वार की तरह काम करता है।

सपनों की सीढ़ी पंख (फेदर): ड्रीम कैचर में लगे पंख को अच्छे सपनों का वाहक या अच्छे सपनों की सीढ़ी माना जाता है। आजकल पक्षियों के पंख के स्थान पर जेमस्टोन भी लगाए जाते हैं।

मकड़ी और बुरे सपने हैं बीड: ड्रीम कैचर के बीच मे लगा सिंगल बीड मकड़ी का प्रतिनिधित्व करता है, जबकि इसके इर्द-गिर्द लगे मल्टीपल बीड्स पकड़े गए बुरे सपनों के प्रतीक होते हैं।

लकी चार्म बना ड्रीम कैचर: आज दुनिया के कई देशों में ड्रीम कैचर को माइंडफुलनेस, सुरक्षा और सकारात्मकता के प्रतीक के रूप में सजाया जाता है। लोगों के लिए एक लकी चार्म है ड्रीम कैचर।

बारिश के मौसम में रिमझिम फुहारों से हर किसी का मन खिल उठता है। इस सुहाने मौसम में काले-काले बादलों से झरती बारिश की बूंदों से भीगी कई यादगार हिंदी फिल्में और कर्णप्रिय गीत कभी भुलाए नहीं जा सकते। ऐसी ही कुछ फिल्मों और सदाबहार गानों पर एक नजर।

फिल्मों-गीतों को खूब भिगोया बारिश की रिमझिम फुहारों ने

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

अपने शुरुआती दौर से ही हिंदी सिनेमा ने बरसात के मौसम की खूबसूरती को पर्दे पर तरह-तरह से पेश किया है। कई फिल्मों के नाम और उनकी कहानी के प्लॉट में बरसात शामिल रही है तो अनेक फिल्मों में बारिश से जुड़े गीतों ने दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। उम्मीदों को बरसती बूंदों के जरिए कभी पर्दे पर दिखाया गया है तो विरह के गीत के लिए भी सावन-भादो का सहारा लिया गया है। खासतौर पर प्रेमी जोड़ों को भिगोने वाले रोमांस के लिए बरसात का मौसम बॉलीवुड में सबसे मुफीद माना जाता रहा है।

पर्दे के बाहर मचलता मन: कभी मशीनी बारिश में शिफॉन की साड़ी पहन कर अपने नृत्य से नायिका के गीत चर्चित हुए तो कभी वास्तविक बारिश में मुंबई की सड़कों पर 'रिमझिम गिरे सावन' जैसे यादगार गीत फिल्माए गए। आज सोशल मीडिया के दौर में बहुत से यंगस्टर्स ऐसे गीतों को रिक्रिएट कर रील्स बनाने के लिए खूब उतावले दिखते हैं। यही तो जादू है बॉलीवुड फिल्मों की बारिश का। नायक-नायिकाओं की प्यार भरी तकरार, इंकार और फिर इजहार की अनगिनत दास्तानें टिप-टिप बारिश के बीच इतने दिलकश अंदाज में फिल्माई जाती रही हैं कि रियल लाइफ में भी कुछ लोग इन्हें खुद अनुभव करने के लिए मचल उठते हैं।

'आज रपट जाएं' गाने के एक दृश्य में अमिताभ और स्मिता पाटिल

गीतों में उम्मीद-मिलन-विरह: 'पुरवा के झोंकवा से आयो रे संदेसवा कि चल आज देसवा की ओर' हो या 'घनन-घनन घिर आए बदरा...' फिल्मों में भी मानसूनी बादल, उम्मीद-उत्साह का संचार भरपूर करते हैं। 'तुम्हें गीतों में ढालूंगा, सावन को आने दो...' 'मौसम है आशिकाना, ऐ दिल कहीं से उनको ऐसे में ढूंढ लाना...' मिलन और उम्मीद की बूंदों से भीगे ऐसे बेशुमार गाने सिनेप्रेमियों के पसंदीदा गीतों में शामिल हैं। फिल्मों में बारिश का सावन का महीना, न केवल मिलन के गीत गाता है, बल्कि विरह की तान भी छेड़ता है। याद आता है, मोहम्मद रफी का वह गीत, 'अजहू न आए बालमा, सावन बीता जाए।'

बरसात पर केंद्रित फिल्में: कई फिल्में तो बरसात को केंद्र में रखकर ही फिल्माई गईं। कई फिल्मों के नाम ही बरसात और बरसात के प्रमुख महीने सावन से जुड़े हुए हैं। शुरुआत 1945 में आई मोतीलाल और शांता आप्टे की फिल्म 'सावन' से हुई। 1949 में आई राजकपूर की फिल्म 'बरसात' ने तो तय कर दिया कि बरसात फिल्मों की सफलता का अचूक मंत्र है। बाद में बरसात नाम की दो फिल्में और बनीं। इन दोनों के नायक बॉबी देओल थे। 1960 में भारत भूषण और मधुबाला की 'बरसात की रात' आई। 1981 में अमिताभ बच्चन और राखी की हिट जोड़ी से सजी 'बरसात की एक रात' रिलीज हुई। 'बरखा बहार' फिल्म में भी बारिश का रोमांटिक अंदाज नजर आया था। 'मानसून वेडिंग' नाम से भी एक फिल्म काफी चर्चित हुई थी। 'तुम मिले', 'लगान', 'आया सावन झूम के', 'प्यासा सावन', 'सावन की घटा', 'सोलहवां सावन', 'सावन के गीत', 'प्यार का पहला सावन', 'सावन का महीना', 'सावन को आने दो', 'सावन-भादो', इस श्रंखला में कई फिल्में शामिल हैं।

ये गीत भी हैं यादगार: 'प्यार हुआ इकरार हुआ ...' राजकपूर और नरगिस का बारिश के दौरान एक छतरी के नीचे चलते हुए यह गीत गाना, उस जमाने के रोमांस की शायद पराकाष्ठा ही थी। फिल्म 'श्री 420' का यह गाना आज भी मन को प्यार की भावना से भिगो देता है। बरसात, प्रेमियों के लिए कितनी कीमती होती है, यह सरेआम बयां किया फिल्म 'रोटी कपड़ा और मकान' के एक गीत में जीनत अमान ने। जब वो दो टकिए की नौकरी के पीछे लाखों का सावन कुर्बान होने की शिकायत करती हैं। यह जीनत के इस गाने से जाहिर होता है कि 'हाय-हाय ये मजबूरी, ये मौसम और ये दूरी' आज भी कई लोगों को नून-तेल-हल्दी के फेर में गुम हो रहे रोमांस की याद दिला जाता है। इसी तरह मधुबाला और भारत भूषण पर फिल्माया गाना 'जिंदगी भर नहीं भूलेगी वो बरसात की रात' को भी नहीं भुलाया जा सकता है। इसी तरह 'चांदनी' फिल्म का गाना 'लगी आज सावन की फिर वो झड़ी है', आज भी दिल को तरंगित कर जाता है।

माना गया हिट फॉर्मूला: दर्शकों द्वारा बारिश पर फिल्माए गीतों को पसंद किए जाने की वजह से कई फिल्मों में तो हिट फार्मूले की तरह बारिश के गाने को फिल्मों में जबर्दस्ती शामिल किया गया। याद कीजिए अमिताभ बच्चन और स्मिता पाटिल पर फिल्माया गया 'नमक हलाल' फिल्म का गाना, 'आज रपट जाएं तो हमें न उठइयो..', जो सुपरहिट रहा था। इसी तरह फिल्म 'गुरु' में 'बरसो रे मेघा...' गाने पर ऐश्वर्या राय ने बेहद दिलकश नृत्य किया था। बरसात के सीन पर फिल्माए ऐसे फेमस गीतों में 'दिल तो पागल है' का गाना 'कोई लड़की है, जब वो हंसती है, बारिश होती है...' फिल्म 'मोहरा' का गाना 'टिप-टिप बरसा पानी', 'फना' का गाना 'ये साजिश है बूंदों की' भी शामिल हैं। इसी कड़ी में याद आता है '1942 ए लव स्टोरी' का गाना 'रिम-झिम रिम-झिम, रुम-झुम रुम-झुम...' कहने का सार है कि बारिश की फुहारों ने हिंदी फिल्मों और गानों को खूब भिगोया है। *

सवाईमाधोपुर जिले के खण्डार तहसील में डूंगरी गांव में बांध के बनने से पहले ही विरोध शुरू हो गया है। बांध के डूब क्षेत्र में दर्जनों गांव आ रहे हैं।

डूंगरी में बनेगा बीसलपुर से बड़ा बांध, सर्वे से ग्रामीणों में भय

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

सवाई माधोपुर। जिले के खण्डार तहसील में डूंगरी गांव में बांध के बनने से पहले ही विरोध शुरू हो गया है। बांध के डूब क्षेत्र में दर्जनों गांव आ रहे हैं। यहां 8 से 10 हजार आबादी बताई जा रही है। भूमि अधिग्रहण एवं विस्थापन से लोगों में भय बना है। इसके लिए जमीन अवाप्ति और प्रभावितों के पुनर्वास के लिए प्रक्रिया चल रही है। जिन ग्रामीणों की जमीनें बांध क्षेत्र में आ रही है। उनमें सवाईमाधोपुर व करौली जिले के लोग हैं। ऐसे में वे इसका लगातार विरोध कर रहे हैं।

पूर्व राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी) के तहत करौली-सवाईमाधोपुर जिलों के 76 गांवों को नुकसान होगा। इस संबंध में भारतीय किसान यूनियन के प्रदेश प्रभारी मदनमोहन राजौर के नेतृत्व में ग्रामीणों ने प्रधानमंत्री को ज्ञापन भेजा। इसमें बताया कि जिले के खंडार तहसील के डूंगरी में बनास नदी पर चोरी-छिपे ईआरसीपी डूंगरी बांध निर्माण के लिए वित्तीय स्वीकृति एवं अवाप्ति भूमि की आपत्ति अनापत्ति तक की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। इसमें न तो संबंधित ग्राम पंचायतों से सहमति (एनओसी) ली और न ही सवाईमाधोपुर व करौली जिले की आमजन से जनसंगोष्ठी या जनचर्चा कर सहमति ली है। सभी लोगों ने डूंगरी बांध निर्माण की प्रक्रियाओं पर जनहित में तत्काल प्रभाव से रोक लगाने की मांग की है।

छह जुलाई को होगी महापंचायत

डूंगरी गांव में सरकार की ओर से बांध बनाने के विरोध में अब 6 जुलाई को फिर से सवाईमाधोपुर, करौली व धौलपुर जिले के मजदूर, किसानों व युवाओं की सर्व समाज महापंचायत होगी। इसमें करीब तीन हजार से अधिक लोग शामिल होंगे। इसके बाद डूंगरी बांध के विरोध में रणनीतियां बनाई जाएगी। ग्रामीणों का कहना है कि डूंगरी बांध भूमि की अवाप्ति से करौली व सवाईमाधोपुर जिले के लाखों लोग बेघर हो जाएंगे। ऐसे में अब लोगों ने विरोध शुरू कर दिया है। गत दिनों भी भूरी पहाड़ी बगीची बालाजी मंदिर में महापंचायत हुई थी। इसमें पंच पटेलों व ग्रामीणों ने इसका खुलकर विरोध किया था।

बीसलपुर से डेढ़ गुना ज्यादा होगी क्षमता

डूंगरी बांध की क्षमता 1600 मिलियन क्यूबिक मीटर रखना प्रस्तावित है, जो बीसलपुर बांध से डेढ़ गुना ज्यादा है। नदी से बांध की ऊंचाई 24.50 मीटर रहेगी और 1500 मीटर लम्बाई होगी। बीसलपुर बांध के छलकने के बाद ओवरफ्लो पानी डूंगरी बांध में आएगा। इसके अलावा कालीसिंध और पार्वती नदी का पानी भी सीधे बांध तक पहुंचाने का इंतजाम किया जा रहा है। यहां से अलवर, भरतपुर, धौलपुर, करौली, सवाईमाधोपुर में लाखों लोगों के पानी की जरूरत पूरी हो सकेगी।

डूंगरी बांध निर्माण के लिए फिलहाल केवल सर्वे ही किया जा रहा है। भूमि अधिग्रहण व डूब क्षेत्र में गांवों के आने से ग्रामीणों की ओर से विरोध किया जा रहा है। अभी डूंगरी बांध का निर्माण शुरू नहीं हुआ है। इसके बनने में करीब चार साल का समय लगेगा।

-दीपक कुमार प्रजापत, कनिष्ठ अभियंता, जल संसाधन विभाग सवाईमाधोपुर

जागरूक खबरें

मौसमी बिमारियों का बढ़ रहा प्रकोप

चित्तौडगढ़ @ जागरूक जनता। प्री-मानसून की पहली फुहारों ने जहाँ एक ओर गर्मी से राहत दिलाई है, वहीं दूसरी ओर ज़िले में मौसमी बीमारियों का प्रकोप तेज़ी से बढ़ गया है। ज़िला चिकित्सालय में इन दिनों मरीजों की खासी भीड़ देखने को मिल रही है, जिससे स्वास्थ्य व्यवस्थाओं पर दबाव बढ़ गया है। बारिश के बाद दूषित पानी और नमी के कारण जलजनित बीमारियों के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। डायरिया, उल्टी-दस्त, टाइफाइड और पीलिया जैसे संक्रमण के मरीज़ बड़ी संख्या में उपचार के लिए अस्पताल पहुँच रहे हैं। इस मौसम में मच्छरों का प्रकोप बढ़ जाता है, जिससे मलेरिया, डेंगू जैसी बीमारियों का ख़तरा भी मंडरा रहा है।

अंजुमन मिल्लते इस्लामिया संस्थान की बैठक सम्पन्न

चित्तौडगढ़ @ जागरूक जनता। अंजुमन मिल्लते इस्लामिया संस्थान की बैठक अंजुमन सदर मोहम्मद इकबाल गुलशन की उपस्थिति में आयोजित की गई। अहसान पठान ने बताया कि मोहर्रम के पर्व की तैयारी को लेकर अंजुमन पदाधिकारियों की बैठक रखी गई। बैठक में सदर मोहम्मद इकबाल द्वारा सभी क्षेत्र वासियों और पदाधिकारियो को मुस्लिम नववर्ष की शुभकामनाएं देने के साथ ही मोहर्रम के जुलूस पर्व की सभी पदाधिकारी को अपनी अपनी जवाबदारी दी गई। मोहर्रम पर्व पर 6 जुलाई को शहर में जुलूस निकाला जाएगा। इस दौरान संस्थान के पदाधिकारीयो ने भी अपने-अपने विचार रखें। बैठक में सैयद इरशाद अली, इरफान अली, अल्लाह नूर कायमखानी, वाहिद अशरफी, सोनू अशरफी, असीम उस्मान छीपा, जाकिर कुरैशी, अजर शेख, फिरोज खान, आरिफ अली, गुलशेर अली, आजाद खान, सलमान खान, साजिद नागोरी, फिरोज खान, अशफाक खान आदि पदाधिकारी मौजूद रहे।

महावीर जैन मंडल की वार्षिक आमसभा संपन्न

चित्तौडगढ़ @ जागरूक जनता। समग्र जैन समाज की प्रतिनिधि संस्था महावीर जैन मंडल की वार्षिक आमसभा मंडल अध्यक्ष राजेंद्र दोषी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। सोहनलाल पोखरना ने बताया कि आमसभा का प्रारंभ नवकार मंत्र के सामूहिक जाप से हुआ। इसके बाद पिछली आम सभा की कार्यवाही और महत्वपूर्ण प्रस्तावों का विवरण देते हुए महासचिव ने इसका अनुमोदन करवाया। इसी प्रकार नवीन पटवारी ने आय-व्यय का ब्योरा रख इसके अनुमोदन का प्रस्ताव रखा जिसे सदन ने स्वीकार कर लिया।

शेख़ समाज वेलफेयर सोसायटी का शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न, कार्यकारिणी गठित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। शहर के प्रमुख समाज सेवा संगठन शेख़ समाज वेलफेयर सोसायटी, चित्तौड़गढ़ की प्रथम कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह शहर के बूंदी रोड़ स्थित गाजी बादशाह दरगाह परिसर में आयोजित किया गया। समारोह की सरपरस्ती शहर काज़ी अब्दुल मुस्तफा साहब ने की तथा हाजी जुल्फकार अहमद के मुख्य आतिथ्य में सोसायटी सदस्यों व समाज जनों की उपस्थिति में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम की शुरुआत मौलाना रजाउल मुस्तफा द्वारा कुरआन शरीफ की तिलावत से हुई। इसके बाद सोसाइटी के सदर मोहम्मद इरशाद शेख (भोला भाई) द्वारा सोसायटी की नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई। जिसमें सेक्रेटरी हाजी रफीक मोहम्मद शेख, कैशियर इमरान शेख, सरपरस्त हाजी अब्दुल गनी शेख, हमीद बक्ष शेख, मोहम्मद सद्दीक शेख रोडवेज, हसीमुद्दीन शेख, नायाबसदर इरफ़ान शेख़, ज्वाइंट सेक्रेटरी मोहम्मद जहिर शेख़, उमर शेख़, संगठन मंत्री वसीम शेख़, आवेश शेख़, प्रवक्ता इलियास मोहम्मद, शकीलउद्दीन शेख़ को नियुक्त किया गया। वहीं कैबिनेट मेंबर्स हाजी अब्दुल रज्जाक शेख़, हयात मोहम्मद शेख़, मोइन शेख़, शाहिद अख्तर शेख़, आज़ाद मोहम्मद शेख़, सरफराज शेख़, मोइनुद्दीन शेख़, अब्दुल हकीम शेख़, मोहम्मद शकील शेख़ उर्फ अन्नु भाई, मोहम्मद शकील शेख़ मावली, रफीक शेख़ चंदेरिया को केबिनेट सदस्य नियुक्त किया गया।

कार्यक्रम में सज्जादा नशीन मोहम्मद सलीम अशरफी, मुफ्ती मोहम्मद उस्मान अशरफी व समस्त मस्जिदों के इमाम, शहर की विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारी,गणमान्य जन, सैयद मकसूद अली, इरफान अली, एडवोकेट मुबारक हुसैन, एडवोकेट रईस खान पठान, एडवोकेट तनवीर खान,रईस गौरी, एडवोकेट इमरान खान, हुसैन मीर, मोहम्मद हारुन लोहार, इकबाल हुसैन अब्दाली, रशीद मोहम्मद उर्फ कालू भाई, ताहिर हुसैन अब्बासी, खिदमत सोसायटी के सदर रब्बानी खान, युनुस खान, संजू, उमर फारूक गौरी, रमजान शरीफ छिपा, हाजी लियाकत हुसैन शोरगर, मुनीर शोरगर, जिलानी खान, इमरान शेख रोज कंस्ट्रक्शन, राजू शेख चंदेरिया सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन शकील मोहम्मद शेख ने कुशलता से किया।

दुर्ग रहा पर्यटकों से गुलजार

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौडगढ़। विश्व प्रसिद्ध ऐतिहासिक दुर्ग पर रविवार का दिन पर्यटकों के लिए भारी परेशानी लेकर आया। ग्रीष्मकालीन अवकाश की समाप्ति के करीब होने और सप्ताहांत के कारण दुर्ग पर पर्यटकों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी, जिससे दुर्ग मार्ग पर वाहनों का जाम लग गया। पाडन पोल से लेकर राम पोल तक वाहनों की लंबी कतारें लग गईं, जिसके चलते पर्यटकों को घंटों जाम में फंसे रहना पड़ा। यातायात पुलिस को भी इस जाम को खुलवाने के लिए खासी मशक्कत करनी पड़ी। सुबह से ही पर्यटकों की बड़ी संख्या दुर्ग पर चहल पहल शुरू हो गई। जैसे-जैसे दिन चढ़ा, वाहनों का दबाव इतना बढ़ गया कि दुर्ग के प्रवेश मार्ग पर स्थिति नियंत्रण से बाहर हो गई। पाडन पोल से शुरू होकर राम पोल तक कई किलोमीटर लंबी गाड़ियों की कतारें लग गईं। चार पहिया वाहनों के साथ-साथ दुपहिया वाहन चालक भी इस जाम में बुरी तरह फंस गए। जाम के कारण कई पर्यटकों को अपनी यात्रा की योजनाओं में बदलाव करना पड़ा या उन्हें दुर्ग तक पहुंचने में असामान्य रूप से अधिक समय लगा। यातायात पुलिस को जाम खुलवाने के लिए लगातार प्रयास करने पड़े।

जंगली खाद्य एवं औषधीय मशरुम के सर्वाधिक जमा जर्मप्लाज्म से 10 एसेशन नंबर उदयपुर केंद्र को मिले

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

उदयपुर। अखिल भारतीय समन्वित मशरुम अनुसन्धान परियोजना की 27 वी वार्षिक कार्यशाला 2024-25 का आयोजन कॉलेज ऑफ़ एग्रीकल्चर, पुणे, महात्मा फूले कृषि विद्यापीठ राहुरी महाराष्ट्र में संपन हुई। जिसमे भारत के मशरुम अनुसन्धान निदेशालय चम्बाघाट, सोलन के अंतर्घट 33 केन्द्रो ने अपना -अपना वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जिसमे अखिल भारतीय समन्वित मशरुम अनुसन्धान परियोजना, महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविधालय उदयपुर केंद्र के परियोजना प्रभारी प्रो. नारायण लाल मीना ने भी अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत किया और बताया की हमारे केंद्र से राजस्थान के विभिन क्षेत्रों से संगृहीत सर्वाधिक 67 खाद्य एवं औषधीययुक्त मशरुम के सैम्पल्स, मशरुम अनुसन्धान निदेशालय में मशरुम लाइसेंस /एसेशन नंबर नंबर हेतु जमा किये गए इसके उपरांत 10 लाइसेंस /एसेशन नंबर अखिल भारतीय समन्वित मशरुम अनुसन्धान परियोजना उदयपुर केंद्र को हुए। वार्षिक कार्यशाला में भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद् के सहायक महानिदेशक डॉ. ऐस के. पांडेय, डॉ. वीपी शर्मा, निदेशक, मशरुम अनुसन्धान निदेशालय डॉ. विक्रमादित्य पांडेय मुख्य वैज्ञानिक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली एवं डॉ. स्वेतकमल मुख्य वैज्ञानिक, मशरुम अनुसन्धान निदेशालय चम्बाघाट, सोलन ने उदयपुर केंद्र से सर्वाधिक 67 जर्मप्लास्म जमा करने 10 लाइसेंस / एसेशन नंबर मिलने एवं मशरुम की प्रसार गतिविधियों पर बहुत प्रसंशा की।

स्मृति ईरानी के हाथों 33 लोकत्रंत सेनानी सम्मानित

बीकानेर। इन्द्रा गांधी के द्वारा 1975 में देश में लोकतंत्र को मटिया मेट करके लगाए गये आपात काल में लोकतंत्र के सेनानियों और उनके दिवंगत हो जाने की स्थिति में उनके परिजनों को सम्मानित किया गया। ऐसे 33 लोगों को पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी के हाथों सम्मानित करने के अवसर पर बीकानेर के रवींद्र रंगमंच में आयोजित "काला दिवस"सम्मान समारोह की मुख्य वक्ता स्मृति ईरानी अपने संबोधन में कहा कि इस मंच पर आज अपेक्षा व्यक्ति की गई है जो नौजवान पीढी हैं वह ना भूले की जिस आजाद देश में हम आजाद सांस भर रहे हैं उसका मोल परिवारों ने नागरिकों ने चुकाया है । यह मंच समाज को याद दिलाने का मंच है, लोकतंत्र मात्र व्यवस्था नहीं बल्कि हर नागरिक का कर्तव्य है, जिम्मेदारी है, दायित्व है ,अधिकार है और अधिकारों का हनन ना हो। स्मृति ईरानी ने बताया कि आपातकाल के समय बीकानेर जिले से 33 लोकतंत्र सेनानियों ने लोकतंत्र और संविधान को जिंदा रखने के लिए संघर्ष किया। इस कार्यक्रम में बीजेपी जिला अध्यक्ष सुमन छाजेड़, पूर्व जिला अध्यक्ष विजय आचार्य, महामंत्री मोहन सुराणा, पूर्व विधायक बिहारीलाल बिश्नोई, पूर्व महापौर सुशीला कंवर राजपुरोहित और अन्य नेता उपस्थित रहे।

अगले चुनाव में मैं अमेठी से ही चुनाव लड़ना पसंद करूंगी- ईरानी

लोकतंत्र सेनानियों के कार्यक्रम के बाद स्मृति ईरानी ने एक पत्रकार वार्ता में पत्रकारों के सवालों के जवाब में कहा कि 2029 के लोकसभा चुनाव में उनकी प्राथमिकता अपने पुराने संसदीय क्षेत्र अमेठी से ही चुनाव लड़ने की रहेगी जहाँ की जनता ने भरपूर प्यार दिया और 2019 में उन्हें तब अमेठी से जिताकर सांसद बनाया जब कि वे वहाँ की निवासी भी नहीं थीं। भले ही 2024के चुनाव में उन्हें हार मिली हो पर अब तो वो अमेठी की निवासी भी हो गई हैं इसलिये अब उन्हें अमेठी ही फिर से जाना होगा। अपने एक दिवसीय बीकानेर प्रवास के दौरान स्मृति ईरानी के साथ सेल्फी लेने की कोशिश में महिला और पुरुष कार्यकर्ताओं को जबरदस्त धक्का मुक्की का सामना करना पड़ा।

बीएलओ प्रशिक्षण की तैयारी प्रारम्भ

उदयपुर @ जागरूक जनता। 1 जुलाई को निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी व मास्टर ट्रेनर्स के वीसी के माध्यम से प्रशिक्षण की अध्यक्षता करते हुए संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. रौनक बैरागी ने मतदाता सूचियों के आगामी विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के संबंध में जानकारी दी । प्रशिक्षण में 3-17 जुलाई को आयोज्य बीएलओ प्रशिक्षण के लिए ट्रेनिंग स्ट्रक्चर, जिला निर्वाचन अधिकारी, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के उत्तरदायित्व तथा मॉनिटरिंग व रिपोर्टिंग पर प्रस्तुतिकरण विशेषाधिकारी ट्रेनिंग डॉ. रेणु पूनिया ने दिया।

घर मंगवाये जागरूक जनता

सदस्यता फार्म दिनांक ....

जागरूक जनता हिन्दी अखबार एक उद्देश्य, एक मिशन, एक विश्वास के साथ आमजन की समस्याएं, वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य, सांस्कृतिक गलियारा, भौगोलिक दृष्टिकोण को एक-दूसरे से साझा करने के लिए एक सेतु का काम कर रहा है। शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिकतम एवं तकनीकी जानकारी पहुंचाकर शहरी एवं ग्रामीण विकास को प्रोत्साहित कर रहा है। जागरूक जनता समय-समय पर भिन्न-भिन्न विषयों के साथ- अपने पाठकों के बीच उपस्थित रहता है।

सदस्यता राशि

☐ एक वर्ष रु. 250/- ☐ दो वर्ष रु. 450/- ☐ तीन वर्ष रु. 600/- ☐ पांच वर्ष रु. 1000/-

डाक से नियमित रुप से निम्न पते पर जागरूक जनता भेजने के लिए डिमान्ड ड्राफ्ट/मनीऑर्डर जागरूक जनता के नाम भेज रहा हूं। फोन-पे, पेटीएम-9829329070

नाम / संस्था का नाम ....

पता : ....

....

फोन .... पिन कोड

राशि (रुपए) .... बैंक का नाम ....

डिमान्ड ड्राफ्ट / मनीऑर्डर क्रमांक (डीडी/एमओ जागरूक जनता के नाम भेजें)

• सदस्यता रजिस्ट्रेशन क्रं. ....रसीद क्रं. ....

दिनांक .... हस्ताक्षर

सदस्यता हेतु लिखे प्रसार प्रभारी →

जागरूक जनता
सकारात्मक हिन्दी अखबार

बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राज.) मो.- 9829329070, 9928022718

वन विभाग ने जारी किया आदेश

रणथंभौर दुर्ग पर बाघ का मूवमेंट, अग्रिम आदेश तक दुर्ग-त्रिनेत्र गणेश मंदिर में श्रद्धालुओं का प्रवेश बंद

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

सवाईमाधोपुर। रणथम्भौर दुर्ग और उसके आस-पास के क्षेत्र में एक बार फिर बाघ का मूवमेंट बना हुआ है। ऐसे में एहतियात के तौर पर वन विभाग ने अग्रिम आदेशों तक रणथम्भौर दुर्ग और त्रिनेत्र गणेश मंदिर में श्रद्धालुओं के प्रवेश पर रोक लगा दी है। इस संबंध में रणथम्भौर बाघ परियोजना के सीसीएफ अनूप के आर की ओर से आदेश जारी किए गए हैं। उल्लेखनीय है कि पिछले तीन माह से रणथम्भौर दुर्ग, त्रिनेत्र गणेश मंदिर व मंदिर मार्ग पर बाघ-बाघिनों का मूवमेंट बना हुआ है। वन विभाग की ओर से जब भी त्रिनेत्र गणेश मंदिर मार्ग या रणथम्भौर दुर्ग के आस-पास बाघ-बाघिन का विचरण होता है तो दुर्ग और मंदिर को श्रद्धालुओं के लिए बंद कर दिया जाता है, लेकिन स्थायी समाधान नहीं है। दुर्ग की सुरक्षा दीवार कई जगहों से क्षतिग्रस्त हो रही है, लेकिन इसकी मरम्मत नहीं हो पा रही है। पिछले दिनों पुरातत्व विभाग की ओर से कुछ इलाकों में तार फैंसिंग कराई गई थी, लेकिन वह भी महज खानापूर्ति ही साबित हो रही है।

सरिस्का आज से बंद, 30 सितंबर तक नहीं कर सकेंगे बाघों का दीदार

अलवर @ जागरूक जनता। सरिस्का में 2 साल से पर्यटकों की संख्या 50 हजार से लेकर 70 हजार तक पहुंच रही थी, लेकिन बीते वर्ष पर्यटकों की संख्या करीब एक लाख पहुंच गई। अब यह आंकड़ा लगातार बढ़ता जा रहा है। जैसे ही मई में बारिश शुरू हुई तो पर्यटकों की संख्या में इजाफा हुआ। हर दिन 700 से लेकर 1300 लोग जंगल के भ्रमण को पहुंच रहे थे। जून के प्रथम सप्ताह में भी मौसम अच्छा रहा, लेकिन बाद में तपिश बढ़ गई। तापमान अधिक पहुंचने से पर्यटकों की संख्या कम हुई। अब मानसून जल्दी आने के कारण बारिश शुरू हुई और तापमान में गिरावट होने से फिर से पर्यटकों की संख्या सरिस्का में बढ़ने लगी। जंगल 1 जुलाई से बंद हो जाएगा। इसी को देखते हुए पर्यटक रविवार को काफी संख्या में पहुंचे। सोमवार को जंगल खुलने का आखिरी दिन है। ऐसे में भारी भीड़ उमड़ने के आसार हैं। डीएफओ अभिमन्यु सहारण का कहना है कि मानसून सीजन के कारण 3 माह तक जंगल बंद रहेगा। 1 जुलाई से यह आदेश लागू होंगे। आखिरी दिनों में पर्यटकों की संख्या में इजाफा हुआ है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक ज्ञानेन्द्र मिश्रा के लिए जैमन प्रिन्टर्स प्राइवेट लिमिटेड, जी-1-68, रोड नम्बर-14, वीकेआई, जयपुर से मुद्रित एवं प्रशासनिक और विज्ञापन कार्यालय : बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 से प्रकाशित। फोन : 0141-3587886

आयुष प्रणालियां विश्व समुदाय को भारत का अनमोल उपहार-मुर्मु

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

गोरखपुर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय का उद्घाटन किया। राष्ट्रपति ने कहा कि महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय हमारी समृद्ध प्राचीन परंपराओं का एक प्रभावशाली आधुनिक केंद्र है। इसका उद्घाटन न केवल उत्तर प्रदेश बल्कि पूरे देश में चिकित्सा शिक्षा और चिकित्सा सेवाओं के विकास में एक उपलब्धि है।

राष्ट्रपति ने कहा कि उन्हें यह जानकर खुशी हुई कि विश्वविद्यालय में विकसित उन्नत सुविधाएं अब बड़ी संख्या में लोगों को उपलब्ध हैं। इस विश्वविद्यालय से संबद्ध लगभग 100 आयुष कॉलेज भी इसकी उत्कृष्टता का लाभ उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक जीवन में लोगों की मदद करने के लिए व्यक्ति को अपनी सुख-सुविधाओं को त्यागना पड़ता है। उन्होंने जन कल्याण के प्रति समर्पण के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सराहना की। उन्होंने कहा कि उनके अथक प्रयासों के परिणामस्वरूप क्षेत्र में स्वास्थ्य, शिक्षा और कृषि संबंधी बुनियादी ढांचे का विकास हुआ है। उन्होंने प्रशासकों, डॉक्टरों और नर्सों से जनप्रतिनिधियों द्वारा शुरू किए गए कल्याणकारी उपायों को आगे बढ़ाने का आग्रह किया। उन्होंने सभी को सलाह दी कि वे किसी भी पेशे में प्रवेश करते समय खुद से किए गए वादे पर आत्मनिरीक्षण करें।

राष्ट्रपति ने कहा कि एक कहावत है, 'स्वास्थ्य ही धन है।' उन्होंने लोगों से खुद को स्वस्थ बनाए रखने के लिए हर कदम उठाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि यह 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा। उन्होंने कहा कि योग उन लोगों के लिए बहुत फायदेमंद है जो शारीरिक परिश्रम कम करते हैं और बैठे रहते हैं। उन्होंने लोगों को नियमित रूप से योग करने की सलाह दी। राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि आयुर्वेद, योग, प्राकृतिक चिकित्सा और सिद्ध जैसी प्राचीन भारतीय प्रणालियां समग्र और सार्थक जीवन जीने के वैज्ञानिक तरीकों का वर्णन करती हैं। आयुर्वेद पर आधारित हमारी प्राचीन जीवनशैली में हम संतुलित आहार, जीवनशैली और विचारों पर बहुत ध्यान देते हैं।

नौसेना ने अरब सागर में जहाज में लगी आग बुझाई, 14 भारतीयों की जान बची

नई दिल्ली @ जागरूक जनता। भारतीय नौसेना ने एक बार फिर अपनी तेज प्रतिक्रिया और समुद्री सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता का परिचय देते हुए समुद्री जहाज पर लगी आग पर काबू पाया है। यह आग उत्तरी अरब सागर में पलाउ-ध्वजवाहक टैंकर एमटी यी चेंग 6 पर लगी थी। इस बड़े अग्निकांड के दौरान नौसेना ने जोखिम भरे अग्निशमन और बचाव अभियान को सफलतापूर्वक अंजाम दिया। नौसेना ने इस ऑपरेशन में समुद्री टैंकर पर मौजूद सभी 14 भारतीय क्रू सदस्यों को सुरक्षित बचा लिया। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, 29 जून की सुबह, मिशन-आधारित तैनाती पर मौजूद आईएनएस तबर को एमटी यी चेंग 6 से 'मेडे' (आपातकालीन) कॉल प्राप्त हुआ। जहाज ने अपने इंजन कक्ष में भीषण आग लगने की सूचना दी। यह घटना फुजैरा, संयुक्त अरब अमीरात के पूर्व में लगभग 80 नॉटिकल मील की दूरी पर हुई।

RailOne ऐप लॉन्च, एक ही जगह मिलेंगी रिजर्व और जनरल टिकट के साथ ये सभी सुविधाएं

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दिल्ली में रेलवे सूचना प्रणाली केंद्र के 40वें स्थापना दिवस के मौके पर रेलवन (RailOne) मोबाइल ऐप लॉन्च कर दिया। रेल यात्रियों के लिए ये वन-स्टॉप ट्रेन ऐप है, जहां आपको रिजर्व, अनरिजर्व और प्लेटफॉर्म टिकट बुक करने के साथ और भी कई सुविधाओं का लाभ उठा सकते हैं। अगर आपके पास रेलवन ऐप है तो आपको IRCTC Rail Connect और UTS ऐप की कोई जरूरत नहीं पड़ेगी, क्योंकि ये नया ऐप अकेले दोनों ऐप का सारा काम कर सकता है। इतना ही नहीं, इस ऐप में ऐसे भी कई फीचर्स हैं जो आईआरसीटीसी रेल कनेक्ट और यूटीएस ऐप पर उपलब्ध नहीं हैं।

रेलवन ऐप पर क्या-क्या सुविधाएं मिलेंगी

रेलवन मोबाइल ऐप पर आप किसी भी ट्रेन में रिजर्व टिकट के साथ-साथ जनरल क्लास के लिए अनरिजर्व टिकट भी बुक कर सकते हैं। इतना ही नहीं, इस ऐप पर आप प्लेटफॉर्म टिकट भी बुक कर सकते हैं। इसके अलावा, आप इस ऐप पर किसी भी ट्रेन को सर्च कर सकते हैं, पीएनआर स्टेटस चेक कर सकते हैं, कोच पोजिशन देख सकते हैं, अपनी ट्रेन का लाइव लोकेशन ट्रैक कर सकते हैं, ट्रेन में अपनी सीट पर खाना ऑर्डर कर सकते हैं, अपनी यात्रा के अनुभव के आधार पर फीडबैक दे सकते हैं।

संपादक : **ज्ञानेन्द्र मिश्रा** मो.-9829329070, फोन : 0141-3587886, ईमेल : jagrukjantanews@gmail.com (सभी मामलों का न्याय क्षेत्र जयपुर) * पीआरबी एक्ट के तहत खबर चयन के जिम्मेदार। **संपादकीय कार्यालय** : 180, जे.पी. कॉलोनी, मैन आपीए रोड, 16 नं. बस स्टैण्ड, विद्याधर नगर, जयपुर (राजस्थान)-302039